हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 7, अंकः 310, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 4 मई, 2023 दिन गुरुवार गाजीपुर/वाराणसी

बीजेपी की नैया पार लगाएंगे हनुमान? पीएम मोदी बोले- बजरंग बली की जय

मिशन कर्नाटक की जंग में फतह के लिए उतरी बीजेपी ने चुनाव प्रचार किया तेज

नई दिल्ली। मिशन कर्नाटक की जंग में फतह के लिए उतरी बीजेपी ने अपना चुनाव प्रचार और तेज कर दिया है। पीएम मोदी, अमित शाह, जेपी नड्डा समेत तमाम बड़े नेता लगातार कर्नाटक में रैलियां कर माहौल बना रहे हैं। इसी बीच, मोदी ने बुधवार को कर्नाटक में रैलियां की। मोदी कई मुद्दों को लेकर अपने विरोधियों पर निशाना साध रहे हैं। मोदी ने कांग्रेस द्वारा बजरंग दल पर प्रतिबंध लगाने के दावे को लेकर भी कड़ा रुख अख्तियार कर लिया है। पीएम मोदी ने बुधवार को मुदबिदरी में एक जनसभा की।

इस दौरान उन्होंने 'भारत माता की जय और बजरंग बली की जय' का नारा लगाया। मोदी ने कहा कि मैं शान्ति और सद्भावना का सन्देश देने वाले सभी मठों, तीर्थंकरों और संतों को श्रद्धापूर्वक नमन करता हूं। आज जिस 'सबका साथ और सबका विकास' का मंत्र लेकर हम आगे बढ़ रहे हैं उसमें सभी संतों की ही प्रेरणा है। मोदी ने आगे कहा, 'इस देश के 140 करोड़ लोग ही हमारा रिमोट कंट्रोल हैं। 10 मई को मतदान का दिन है। बीजेपी का संकल्प है कर्नाटक को नंबर-1 बनाना है। बीजेपी का संकल्प है कर्नाटक में आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर का निर्माण करना। बीजेपी का संकल्प है कर्नाटक को मैन्युफेक्चरिंग में सुपर पावर बनाना।' मोदी ने आगे कहा कि हमारा प्रयास है कि कर्नाटक औद्योगिक विकास में नंबर-1 बने, हमारी कोशिश है कि कर्नाटक कृषि विकास में नंबर-1 बने, हमारा लक्ष्य है कि कर्नाटक स्वास्थ्य और शिक्षा में नंबर-1 बने। कांग्रेस क्या चाहती है? कांग्रेस कर्नाटक को... दिल्ली में जो उनका 'शाही परिवार' बैठा है, उस परिवार का नंबर-1 एटीएम बनाना चाहती है। ये हमारा रोड मैप है, जबकि कांग्रेस आपका वोट इसलिए चाहती है क्योंकि वो बीजेपी की योजनाओं को, यहां के लोगों के विकास के लिए हुए कामों को पलटना चाहती है। मोदी ने कांग्रेस पर अपना हमला जारी रखा। मोदी ने ये भी कहा कि जो जीवन में पहली बार वोट देने जा रहे हैं वो कर्नाटक का भविष्य तय करने जा रहे हैं। पहली बार वोट देने जाने वाले मेरे बेटे-बेटियों आपको अगर अपना करियर बनाना है, अपने मन का काम करना है तो यह कांग्रेस के रहते संभव नहीं होगा। कर्नाटक में अगर अस्थिरता रही तो आपका भाग्य भी अस्थिर रहेगा। कांग्रेस कर्नाटक में शांति की दुश्मन है, विकास की दुश्मन है। कांग्रेस आतंक के आकाओं को बचाती है, तुष्टिकरण को बढ़ाती है।

उन्होंने कहा कि देश में जहां भी लोग शान्ति और प्रगति चाहते हैं वो सबसे पहले अपने राज्य से कांग्रेस को बाहर कर देते हैं। अगर समाज में शान्ति है तो कांग्रेस शांत नहीं बैठ पाती, अगर देश प्रगति करता है तो कांग्रेस इसे बर्दाश्त नहीं कर पाती। कांग्रेस की पूरी राजनीति बांटो और राज करो पर आधारित है। कर्नाटक के लोगों ने खुद कांग्रेस का ये खौफनाक चेहरा देखा है। पूरा देश हमारे सैनिकों का आदर करता है, उनका सम्मान करता है जबकि कांग्रेस हमारी सेना का अपमान करती है, हमारे सैनिकों का अपमान करती है। आज पूरी दुनिया भारत में डेमोक्रेसी और डेवलपमेंट को देख कर उसे सम्मान दे रही है, लेकिन रिवर्स गियर कांग्रेस दुनिया भर में घूम-घूम कर देश को बदनाम कर रही है।

उमेश पाल की हत्या में नया वीडियो आया सामने, 21 फरवरी को ही थी हत्या की प्लानिंग

प्रयागराज। उमेश पाल की हत्या में नया वीडियो सामने आया है। बताया जा रहा है कि 21 फरवरी को ही उमेश पाल की हत्या की प्लानिंग की गई थी। ऐन मौके पर पुलिस की जीप आ जाने के कारण सारा प्लान फेल हो गया और शूटरों ने अपना प्लान बदल दिया। इसके बाद 24 फरवरी को उमेश पाल को गोली और बम मारकर मौत के घाट उतार दिया गया। उमेश पाल को मारने के लिए शूटर उस्मान और गुलाम हसन उसके घर के पास पहुंच गए थे, लेकिन पुलिस की जीप आ जाने के कारण योजना पर पानी फिर गया। बदमाश उमेश पाल के पीछे पीछे उनके घर तक पहुंचे थे। उमेश पाल कार का गेट खोलकर अपने घर की तरफ जाते दिख रहे हैं और ठीक उसी समय बदमाशों की कार भी वहां पहुंच जाती है। बदमाश कोई वारदात कर पाते कि पुलिस की जीप दिखने के बाद उन्होंने अपना प्लान बदल दिया। विधायक राजू पाल की हत्या के मुख्य गवाह रहे उमेश पाल की हत्या 24 फरवरी को कर दी गई थी। हत्याकांड में उमेश के दोनों सरकारी गनर राघवेंद्र सिंह और संदीप निषाद की भी जान चली गई थी। शूटरों ने उमेश को उस समय गोली और बम मारकर मौत के घाट उतार दिया था जब वह कचहरी से अपने केस की पैरवी करने के बाद क्रेटा कार से घर पहुंचे थे।

आजमगढ़ के मंच से सीएम योगी की हुंकारः 'लोगों ने युवाओं को तमंचा दिया, और हमने दिए टेबलेट'

आजमगढ़। नगर निकाय चुनाव के तहत भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को शहर के श्रीकृष्ण पाठशाला इंटर कालेज में चुनावी जनसभा को संबोधित किया। सीएम का उड़न खटोला निर्धारित समय से लगभग एक घंटे देर से हेलेपैड पर उतरा। मंच से संबोधन शुरू करते ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि देश व प्रदेश में डबल इंजन की सरकार चल रही है। जिसके चलते देश व प्रदेश का विकास दो गुनी रफ्तार में हो रहा है। वहीं अब इस डबल इंजन की सरकार में तीसरा इंजन भी जुड़ जाए तो विकास की रफ्तार तीन गुनी से पांच गुनी तक हो जाएगी। उन्होंने जनपद की धरती को नमन करते हुए कहा कि हमारा आजमगढ़ दुनिया के अंदर कभी अपने ओज व तेज के लिए जाना जाता था। देश की आजादी में भी इस जिले का अहम योगदान रहा है। आजादी के बाद जिन भी लोगों के हाथो में सत्ता आयी, उन लोगों ने इस जिले व यहां के लोगों का सिर्फ दोहन किया। युवाओं के हाथों में तमंचा पकड़ाने का काम किया। उन्होंने कहा कि एक वक्त ऐसा भी आया जब यहां के लोगों के माथे पर पहचान का संकट खड़ा हो गया। हमारी सरकार ने पहचान के संकट को मिटाने का काम किया। आज आजमगढ़ से लखनऊ पहुंचने में अधिकतम तीन घंटे लगते है इसके पीछे कारण पूर्वांचल एक्सप्रेस वे का निर्माण है। जिले को हमने विश्वविद्यालय भी दिया है, जल्द ही इसके प्रशासनिक भवन का कार्य पूर्ण हो जाएगा। एक कलाकार यहां से सांसद है और यहां का गांव हरिहरपुर कलाकारों का गांव है। ऐसे में सांसद की मांग पर हरिहरपुर में संगीत महाविद्यालय का शिलान्यास किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज देश ही नहीं दुनिया में संकट मोचक के रूप में जाने जाते है। सूडान में फंसे लोगों को अपनी रणनीति के दम पर प्रधानमंत्री से अपने लोगों को बाहर निकाल लिया। नौ वर्ष में करोड़ो लोगों को रोजगार, शौचालय दिया। 50 करोड़ लोगों को आयुष्मान योजना के तहत लाभान्वित किया। 80 करोड़ लोगों को फ्री में राशन दिया। हम जाति धर्म नहीं सभी के विकास की सोच रखने वाले है। तुष्टिकरण किसी का भी नहीं करते है। हमने युवाओं के हाथों में तमंचा नहीं बल्कि टेबलेट दिया। सड़कों का जाल बिछाया गया है। पूर्व मुख्यमंत्री भी अब यदि आजमगढ़ आएंगे तो इसे पहचान नहीं सकेंगे। डबल इंजन की सरकार ने डबल स्पीड से काम किया और तीसरा इंजन भी जुड़ जाए तो विकास की स्पीड तीन से पांच गुजा हो जाएगी।

शरद पवार के बाद एनसीपी में लगी इस्तीफों की झड़ी जितेंद्र आव्हाड समेत कई नेताओं ने अपना पद छोड़ा

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष शरद पवार ने मंगलवार को यह कहकर सबको चौंका दिया कि उन्होंने पार्टी का अध्यक्ष पद छोड़ने का फैसला किया है। हालांकि, पार्टी के नेताओं और कार्यकताओं ने शरद पवार से फैसले को वापस लेने की मांग की। इस बीच शरद पवार पार्टी पदाधिकारियों से मिलने के लिए यशवंतराव चव्हाण सेंटर पहुंचे, लेकिन इस बीच जितेंद्र आव्हाड समेत कई नेताओं ने अपना पद छोड़ दिया है। एनसीपी के एक पदाधिकारी ने बुधवार को कहा कि शरद पवार हमेशा की तरह यहां यशवंतराव चव्हाण प्रतिष्ठान में सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक पार्टी कार्यकताओं सहित लोगों से मुलाकात करेंगे। इसके अलावा एनसीपी नेता अजित पवार भी यशवंतराव चव्हाण पहुंचे। एनसीपी नेता जितेंद्र आव्हाड ने राष्ट्रीय महासचिव के पद से इस्तीफा दे दिया है। समाचार एजेंसी एएनआइ ने कहा कि मैंने राष्ट्रीय महासचिव के अपने

पद से इस्तीफा दे दिया है और मैंने अपना इस्तीफा शरद पवार को भेज दिया है। उन्होंने बताया कि पार्टी प्रमुख के पद से इस्तीफा देने की पवार की घोषणा के बाद ठाणे एनसीपी के सभी पदाधिकारियों ने भी इस्तीफा दे दिया है। दरअसल, शरद पवार ने मंगलवार को कहा था कि वह NCP के प्रमुख पद से इस्तीफा दे रहे हैं। पवार ने NCP की स्थापना साल 1999 में की थी। उन्होंने राजनीति से सन्यास लेने का एलान किया है। हालांकि, पवार के एक कार्यक्रम में की गई इस घोषणा से पार्टी के नेताओं और कार्यकताओं में हड़कंप मच गया और इस दौरान उन्होंने पवार से फैसला वापस लेने की मांग की। एनसीपी के वरिष्ठ नेता अजित पवार ने कहा कि उनके चाचा को अपने फैसले पर सोचने के लिए उन्हें दो-तीन दिन का वक्त चाहिए। पार्टी कार्यकताओं को शरद पवार के संदेश से अवगत कराते हुए उनके भतीजे अजित पवार ने NCP पदाधिकारियों से आग्रह किया कि वे शरद पवार के इस अप्रत्याशित फैसले के विरोध में अपने पदों से इस्तीफा नहीं दें।

'शेर कभी कुत्तों का शिकार नहीं करता'... प्रतागपढ़ में कुंडा विधायक राजाभैया ने विरोधियों पर साधा निशाना

प्रतापगढ़। यूपी में निकाय चुनाव के मतदान की तारीख जैसे जैसे नजदीक आ रही है वैसे वैसे सियासी दिग्गजों ने अपने प्रत्याशियों को जिताने में अपने अपनी ताकत झोंक दी है। कुंडा कस्बे के बजरंग डिग्री कॉलेज में आयोजित जनसभा में राजाभैया जमकर गरजे। विपक्षियों पर निशाना साधते हुए राजाभैया ने कहा कि शेर कभी शिकार करना नहीं छोड़ता। हां ये बात जरूर है कि शेर कुत्तों का शिकार नहीं करता। कुंडा विधायक ने कहा कि इस जनसभा में हजारों की संख्या में आपकी मौजूदगी बता रही है कि जनसत्ता दल को जनता खुले दिल से समर्थन कर रही है। वहीं दूसरी ओर कुंडा में अन्य दलों की एक भी जनसभा नही हो सकी। इसका कारण है कि उनकी सभा में जनता जाना ही नहीं चाहती। ऐसे अवसरवादियों को जनता खुद जवाब दे रही है। राजाभैया की जनसभा में उमड़े जनसैलाब के जोश को देखकर ये कहना गलत नहीं होगा कि मुकाबला एकतरफा है। वहीं दूसरी ओर सपा और

भाजपा भी पूरी तरह ताकत झोंक रही है और प्रत्याशी अपनी अपनी जीत का दावा कर रहे हैं। बहरहाल कुंडा का चुनाव खासा दिलचस्प हो चुका है। अब ये तो चुनाव परिणाम आने के बाद ही पता चलेगा की कुंडा की जनता किसके सिर जीत का सेहरा बांधती है।

पीलीभीत में सपा को बड़ा झटका, भाजपा में शामिल हुए पूर्व मंत्री हेमराज वर्मा

पीलीभीत। पीलीभीत में निकाय चुनाव से पहले समाजवादी पार्टी (सपा) को बड़ा झटका लगा है। सपा सरकार में राज्यमंत्री रहे हेमराज वर्मा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए हैं। बुधवार को लखनऊ स्थित भाजपा कार्यालय में पार्टी प्रदेशाध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने पूर्व मंत्री हेमराज वर्मा को पार्टी की सदस्यता दिलाई। निकाय चुनाव से पहले भाजपा में उनका जाना सपा के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। हेमराज वर्मा 24 वर्ष के सियासी सफर में बसपा और फिर सपा से होते हुए भाजपा में आए हैं। हेमराज वर्मा 22 वर्ष की उम्र में साधन सहकारी समिति के संचालक चुने गए थे। यहीं से उनकी राजनीति की यात्रा शुरू हुई। इसके बाद वर्ष 2000 से 2005 तक ग्राम प्रधान संगठन के निर्वाचित जिलाध्यक्ष रहे। वर्ष 2017 में पीलीभीत सदर विधानसभा क्षेत्र से पहली बार विधानसभा का चुनाव लड़ा

25000 मत पाए और तीसरे स्थान पर रहे। वर्ष 2012 में समाजवादी पार्टी से बरखेड़ा विधानसभा से चुनाव लड़ा और विधायक चुने गए। 2015 में अखिलेश यादव की सरकार में खाद्य एवं रसद विभाग में राज्य मंत्री बनाए गए। वर्ष 2019 में समाजवादी पार्टी से पीलीभीत लोकसभा क्षेत्र के उम्मीदवार रहे और 448922 मत पाए। इसके बाद 2022 में बरखेड़ा विधानसभा क्षेत्र से समाजवादी पार्टी के उम्मीदवार रहे 71000 मत पाए। चुनाव में हार के बाद भारतीय जनता पार्टी के कुछ नेताओं के संपर्क में आए हेमराज वर्मा ने बुधवार को भाजपा में शामिल हो गए। हेमराज वर्मा के खिलाफ सात मुकदमे दर्ज हुए, जिसमें से पांच मुकदमे खत्म हो गए। अभी दो मामले अदालतों में विचाराधीन हैं। उन्होंने कहा कि राजनीतिक सफर में मुकदमे तो दर्ज होते रहते हैं, जब विपक्ष की सियासत करते हैं तो मुकदमे तो हो ही जाते हैं। भाजपा ज्वाइन करने का मुख्य मकसद देश और प्रदेश के विकास में योगदान देना है।

'नकल माफियाओं का अमृतकाल है बीजेपी राज', अखिलेश यादव का दावा- लेखपाल भर्ती में नकल करते पकड़ी गई युवती हुई पास

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा कराई गई लेखपाल भर्ती परीक्षा 2022 के परिणाम जारी होने के बाद सूबे का सियासी तापमान एक बार फिर बढ़ गया है। सपा प्रमुख और प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने दावा किया है कि परीक्षा के दौरान जिस महिला को यूपी पुलिस ने नकल करने के आरोप में पकड़ा था, नतीजों में वह उत्तीर्ण घोषित कर दिया गया है। अखिलेश यादव ने भाजपा पर हमला करते हुए लिखा कि यूपी पुलिस ने लेखपाल भर्ती परीक्षा में नकल करते हुए जिस महिला अभ्यर्थी को सबूत के साथ पकड़ा था, उसे उप्र अधीनस्थ सेवा चयन आयोग ने उतीर्ण घोषित कर दिया है। उन्होंने कहा कि ये ईमानदार अभ्यर्थियों के साथ अन्याय है, जांच हो और दंडात्मक कार्रवाई भी। यहां उन्होंने कटाक्ष करते हुए लिखा कि भाजपा सरकार में नकल माफिया का अमृतकाल चल रहा है। जुलाई 2022 में लेखपाल भर्ती का आयोजन कराया गया था, प्रयागराज के करेली स्थित चेतना गर्ल्स इंटर कालेज के सेंटर में एक अभ्यर्थी रीतू सिंह को नकल करते हुए पकड़ा गया था। पूछताछ में पता चला था कि कालेज

प्रबंधतंत्र की मिलीभगत से महिला अभ्यर्थी को नकल कराया जा रहा था। जांच के दौरान, अभ्यर्थी रीतू सिंह के पास से बरामद नकल पर्ची का मिलान परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका की कार्बन प्रति से कराई गई थी। जिसके बाद एसपी सिटी ने कहा था कि इसमें एकरूपता पाई गई। इससे स्पष्ट है कि यहां नकल का खेल चल रहा था।

समलैंगिक जोड़ों की चिंताओं को लेकर कमेटी बनाने को तैयार, सुप्रीम कोर्ट में बोली सरकार

नई दिल्ली। समलैंगिकों के विवाह से जुड़ी एक याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई शुरू हो गई है। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सुप्रीम कोर्ट से कहा कि समलैंगिक जोड़ों के सामने आने वाली समस्याओं को लेकर एक पैनल का गठन होगा। यह पैनल कैबिनेट सचिव की अध्यक्षता में गठन किया जाएगा। मेहता ने याचिकाकर्ता से सुझाव देने के लिए भी कहा है। उन्होंने कहा कि याचिकाकर्ता अपना सुझाव दे सकते हैं ताकि समिति इस पर ध्यान दे सके। इससे पहले, समलैंगिक विवाह के मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट में 25 अप्रैल को सुनवाई हुई थी। इस दौरान शीर्ष कोर्ट की पांच सदस्यीय पीठ ने अहम टिप्पणी की थी। शीर्ष कोर्ट ने कहा था कि समलैंगिक विवाह को वैध बनाना इतना आसान भी नहीं है, जितना कि यह दिखता है। इस मुद्दे पर कानून बनाने के लिए संसद के पास निर्विवाद रूप से विधायी शक्ति है। ऐसे में हमें इस विचार करना है कि हम इस दिशा में कितनी दूर तक जा सकते हैं। भारत के मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच-न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने कहा कि अगर समलैंगिक विवाह की अनुमति दी जाती है, तो इसके परिणामी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए इसकी न्यायिक व्याख्या, विशेष विवाह अधिनियम, 1954 तक ही सीमित नहीं रहेगी। इसके दायरे में व्यक्तिगत कानून भी चलन में आ जाएंगे। पीठ ने कहा

कि शुरू में हमारा विचार था कि इस मुद्दे पर हम पर्सनल लॉ को नहीं छूएंगे, लेकिन बिना पर्सनल लॉ में परिवर्तन किए समलैंगिक शादी को मान्यता देना आसान काम नहीं है। समलैंगिक विवाह को कानूनी मंजूरी देने की मांग कर रहे याचिकाकताओं ने सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान अपनी दलील पेश की थी। समलैंगिक विवाह के अधिकार को मान्यता देने का अनुरोध करते उन्होंने पीठ से कहा कि अदालत ऐसा कहकर कि वह इस मुद्दे पर कुछ नहीं कर सकती, अपना पल्ला नहीं झाड़ सकती। उन्हें कुछ राहत तो देनी ही चाहिए।

समलैंगिक विवाह को कानूनी मंजूरी न देना किसी व्यक्ति के साथ लैंगिक आधार पर खुला भेदभाव होगा। इतना ही नहीं, यह ऐसे व्यक्तियों को दूसरे देशों में जाने के लिए मजबूर करेगा, जहां समलैंगिक विवाह को कानूनी मंजुरी दी गई है। याचिकाकताओं के पक्ष की ओर से पेश किरपाल ने मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच-न्यायाधीशों की संविधान पीठ को बताया कि LGBTQIA+ से भारत की जीडीपी का सात प्रतिशत प्रभावित होगा। इस मामले में चौथे दिन की सुनवाई के दौरान किरपाल ने कहा कि समलैंगिक विवाह को मान्यता न देने से ऐसी स्थिति पैदा होगी, जहां समलैंगिक और समलैंगिक अनिच्छा से एक अव्यवहार्य विवाह में बंध जाएंगे। उन्होंने कहा कि LGBTQIA+ समुदाय को संसद की दया पर नहीं छोड़ा जा सकता है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने किया 52 जिला जज रैंक व 12 अपर जिला जज रैंक के अधिकारियों का तबादला

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने जिला जज रैंक के 52व अपर जिला जज रैंक के 12 न्यायिक अधिकारियों की तैनाती स्थल में बदलाव एवं तबादला किया है और सभी को तैनाती स्थल पर कार्यभार संभालने के लिए तैयार रहने का निर्देश दिया है। इस आशय की अधिसूचना महानिबंधक राजीव भारती ने जारी की है। स्थानांतरित होने वाले न्यायिक अधिकारियों में अब्दुल शाहिद जिला जज रायबरेली से जिला जज प्रतापगढ़, संदीप जैन जिला जज कानपुर नगर को प्रशासनिक अधिकरण

सदस्य लखनऊ, मलखान सिंह पीठासीन अधिकारी एम ए सी टी मुजफ्फरनगर को प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय सहारनपुर, नरेंद्र कुमार चतुर्थ प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय सहारनपुर को पीठासीन अधिकारी एम ए सी टी मुजफ्फरनगर, धर्मेंद्र कुमार पाण्डेय पीठासीन अधिकारी एम ए सी टी फिरोजाबाद, महेंद्र प्रसाद चौधरी प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय हरदोई को पीठासीन अधिकारी एम ए सी टी बांदा, मनोज कुमार राय पीठासीन अधिकारी एम ए सी टी शाहजहांपुर को पीजेएफसी आजमगढ़, राकेश कुमार त्रिपाठी पीठासीन अधिकारी एमएसीटी सुल्तानपुर को पीठासीन अधिकारी एम ए सी टी मथुरा, रमेश सिंह प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय कासगंज को पीठासीन अधिकारी एम ए सी टी सुल्तानपुर, रोहित सिन्हा पीठासीन अधिकारी एम ए सी टी प्रतापगढ़ को प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय मिजार्पुर भेजा गया है।

संपादकीय

जेल में जंग

कुख्यात अपराधियों को आमतौर पर जेलों की सुरक्षित मानी जानी वाली कोठरियों में रखा और उन पर लगातार नजर रखी जाती है, ताकि वे जेल के अंदर किसी तरह की आपराधिक गतिविधियों को अंजाम न देने पाएं, उनके दुश्मन उन पर हमला न कर दें। मगर पिछले कुछ समय से ऐसा लगता है कि देश की सबसे सुरक्षित और चाकचौबंद मानी जाने वाली तिहाड़ जेल में इस तकाजे को भुला दिया गया है। वरना पिछले उन्नीस दिनों में दो हत्याएं न हो जातीं। पिछले महीने एक खूंखार अपराधी की उसके दुश्मन गिरोह के बदमाशों ने धारदार लोहे से हत्या कर दी। अब टिल्लू ताजपुरिया नाम के बदमाश को उसके दुश्मन गिरोह के बदमाशों ने लोहे की सरिया घोंप कर मार डाला। ये बदमाश एक ही जेल में बंद थे। टिल्लू पर दो साल पहले रोहिणी अदालत में जज के सामने दो अभियुक्तों की हत्या कराने का आरोप था। उस पर करीब चालीस हत्या और दूसरे संगीन अपराधों के मामले दर्ज थे। ऐसे में जेल प्रशासन इस बात से अनजान नहीं माना जा सकता कि उसे टिल्लू पर हमले की आशंका न रही होगी। ऐसा भी नहीं कि उन्हें उसके विरोधी खेमे के बारे में जानकारी नहीं रही होगी। जेलों में कैदियों को उपलब्ध कराए जाने वाले सामान को लेकर खासे कड़े नियम-कायदे हैं। उन्हें ऐसे कपड़े तक उपलब्ध नहीं कराए जाते, जिनका इस्तेमाल वे किसी को मारने में कर सकते हैं। उनसे मिलने जाने वालों की कड़ी जांच की जाती है। बंद कमरों में कांच की खिड़की से देखने और फोन पर बातचीत करने दिया जाता है। जहां उन्हें रखा जाता है, वहां विशेष सावधानी रखी जाती है कि ऐसी कोई वस्तु न हो, जिसका वे हथियार के रूप में इस्तेमाल कर सकें। फिर सवाल है कि कैसे उन्नीस दिन पहले धारदार इस्पात से एक बदमाश को मार डाला गया और अब लोहे की सरिया कैसे उपलब्ध हो गई, जिससे टिल्लू को मार डाला गया। फिर दो दुश्मन गुटों के बदमाशों को अलग जेलों में रखने पर विचार क्यों नहीं किया गया। जेल प्रशासन अपने बचाव में कई तर्क दे सकता है, मगर सुरक्षा में हुई इस चूक से एक बार फिर उसकी किरकिरी हुई है। जेलों में मोबाइल फोन पहुंच जाने और बदमाशों के वहीं से संगठित अपराध संचालित करने के भी कई उदाहरण हैं। जबकि आजकल जगह-जगह कैमरे लगे होते हैं और कैदियों पर कड़ी नजर रखी जाती है। जेलों का मकसद कैदियों को सुधारना होता है, मगर जेल प्रशासन के उदासीन रवैए के चलते यह मकसद कहीं हाशिये पर चला जाता है। फिर कैदियों पर उचित निगरानी न रखी जा पाने की एक वजह यह भी है कि जेलों में क्षमता से बहुत अधिक कैदियों को रखा जाता है। संख्या अधिक होने के चलते विरोधी गुटों के खूंखार अपराधियों को अलग-अलग जेलों के बजाय एक ही जेल में अलग कोठरियों में रखना पड़ता है। ताजा घटना में भी यही हुआ। अनेक मौकों पर रेखांकित किया जा चुका है कि जेलों में भीड़भाड़ कम रखी जाए, इसके लिए विचाराधीन कैदियों की जमानत अर्जी पर त्वरित फैसला हो। मगर इस दिशा में गति नहीं आ पाई है। जेलों में जंग की स्थिति बनने का कारण जेल प्रशासन की लापरवाही के साथ-साथ उन पर कैदियों का बोझ कम करने के मामले में शिथिलता भी है। यह स्थिति केवल तिहाड़ की नहीं, देश की प्रायः सभी जेलों की है। जेलों की दशा में सुधार को लेकर गंभीरता से विचार की जरूरत है।

हो रही भिड़ंत !

आपस में खिलाड़ीयों की ।
हो रही भिड़ंत ।।
लेकिन इस लड़ाई का ।
हो रहा ना अंत ।।
कौतुहल का विषय बना ।
गर्म है बाजार ।।
आखिरकार बच ना पाए ।
कर दिया इजहार ।।
बात ना पर है नई ।
लंबी है कहानी ।।
इस तरह उलझने की ।
खबरें हुई पुरानी ।।
है यह हाल वरिष्ठों का ।
खेप है तैयार ।।
आने वाली पीढ़ियों पर ।
हो रहा उपकार ।।

–कृष्णेन्द्र राय

सामाजिक सुरक्षा से टिकाऊ विकास

सामाजिक सुरक्षा की कोई भी कार्ययोजना श्रमिक, नियोक्ता, सरकार और श्रम संगठनों के एकजुट प्रयासों से ही संभव है। दुनिया भर में श्रमिक संगठन अपनी विचारधारा के आधार पर श्रम सुधार और निर्णयों को प्रभावित करते हैं। भारत में जी-20 के अंतर्गत आयोजित श्रम-20 में भारतीय और अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठनों ने जिस प्रकार एकजुटता दिखाई, वह अच्छा संकेत है। वैश्वीकरण के साथ सामाजिक सुरक्षा का प्रश्न अब किसी एक देश का मुद्दा नहीं रह गया है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित सत्रह सतत विकास लक्ष्यों को हासिल करने के लिए सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा अनिवार्य शर्त है। सामाजिक सुरक्षा का स्तर गरीबी, असमानता, जातिगत और जेंडर भेद को समाप्त करने का सबसे अहम जरिया है। इसके जरिए औपचारिक क्षेत्र को संगठित कार्यबल में तब्दील किया जा सकता है।

भारत की अध्यक्षता में आयोजित जी-20 के वार्षिक सम्मेलन में सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा का मुद्दा चर्चा में है। इसके कार्यसमूह में श्रम-20 द्वारा पांच बड़े मुद्दों को उठाया गया है। पहला, श्रमिकों का अंतरराष्ट्रीय प्रवासन, दूसरा, असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों की सामाजिक सुरक्षा, तीसरा, कौशल प्रशिक्षण और कौशल उन्नयन (नियोक्ता की भूमिका और दायित्व), चौथा, कार्य का बदलता स्वरूप और पांचवां, टिकाऊ तथा

सम्मानजनक आजीविकाओं को प्रोत्साहन। ये पांचों मुद्दे सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा से जुड़े हैं। इसकी जरूरत को अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आइएलओ) द्वारा जारी विश्व सामाजिक सुरक्षा रिपोर्ट 2020-22 के तथ्यों से समझा जा सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, विश्व में तिरपन फीसद आबादी सामाजिक सुरक्षा से वंचित है। छियालीस प्रतिशत लोग ही रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य, पेंशन जैसी किसी एक सामाजिक सुरक्षा का लाभ हासिल कर पा रहे हैं।

18.6 प्रतिशत बेरोजागर युवकों को मुश्किल से बेरोजगारी भत्ता मिल पाता है। 26.4 प्रतिशत बच्चों को ही सामाजिक सुरक्षा की चादर नसीब है। गंभीर दिव्यांगता के शिकार सिर्फ 33.4 प्रतिशत लोग समाज की मुख्यधारा में शामिल हैं। आज भी छियालीस फीसद महिलाएं मातृत्व अवकाश से वंचित हैं। तैंतीस फीसद आबादी को स्वास्थ्य से जुड़ी सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के दायरे में लाया जाना है। बाईस फीसद बुजुर्ग वृद्धावस्था पेंशन न मिलने से जीवन के अंतिम पड़ाव पर चुनौतियों से जूझते हैं। दुनिया भर का पचासी फीसद कारोबार जी-20 देशों के बीच होता है, जबकि पैंसठ फीसद आबादी यहां रहती है। विश्व के कुल कार्यबल का इकसठ प्रतिशत हिस्सा असंगठित क्षेत्र में आता है। अफ्रीका में 85.8 फीसद रोजगार असंगठित क्षेत्र में हैं। एशिया और प्रशांत क्षेत्र में 68.6 और 68.6 फीसद अरब देशों में तथा अमेरिका में चालीस प्रतिशत और यूरोप में यह अनुपात 25.1 फीसद है। सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा के स्तर को प्रभावी बनाकर असंगठित क्षेत्र को संगठित क्षेत्र में रूपांतरित करने में मदद मिलेगी। आइएलओ ने 1952 में हुए सम्मेलन के दौरान सामाजिक सुरक्षा के न्यूनतम नौ आधार बताए थे। इनमें स्वास्थ्य देखभाल, बीमारियों में बीमा लाभ, बेरोजगारी भत्ता, वृद्धावस्था पेंशन, कार्यस्थल पर मुआवजा, पारिवारिक सुरक्षा, मातृत्व लाभ, अशक्तता और उत्तरजीविता लाभ शामिल हैं। 2016 में विश्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन ने संयुक्त रूप से सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा पर काम करने का आह्वान किया। अगर जी-20 देशों के बीच सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा पर ठोस सहमति बनती है, तो प्रवासन से जुड़ी चुनौतियां का समाधान होगा। घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों ही प्रवासन की चुनौतियां अलग हैं। वर्तमान में अंतरराष्ट्रीय प्रवासी श्रमिकों को भविष्य निधि, स्वास्थ्य, शिक्षा जैसी योजनाओं का लाभ नहीं मिल पाता है। इन प्रवासी श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा योजना का लाभ देने के लिए तीन व्यवस्थाएं हो सकती हैं। दो देशों के बीच द्विपक्षीय करार हो, ब्रिक्स, बिम्सटेक और अफ्रीकी संघ इसे लागू करें, ठीक वैसे ही जैसे यूरोपीय यूनियन ने किया है। मगर यदि इसे वैश्विक आवरण देना है, तो जी-20 देशों के बीच बहुपक्षीय समझौता ठोस विकल्प होगा। सामाजिक सुरक्षा की कोई भी कार्ययोजना श्रमिक, नियोक्ता, सरकार और श्रम संगठनों के एकजुट प्रयासों से ही संभव है। दुनिया भर में श्रमिक संगठन अपनी विचारधारा के आधार पर श्रम सुधार और निर्णयों को प्रभावित करते हैं। भारत में जी-20 के अंतर्गत आयोजित श्रम-20 में भारतीय और अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठनों ने जिस प्रकार एकजुटता दिखाई, वह अच्छा संकेत है। जी-20 के पिछले कुछ सम्मेलन श्रम जगत को लेकर प्रतिबद्धताएं जाहिर करने तक ही सीमित रहे हैं। 2020 में रोम घोषणा-पत्र में डिजिटल संसाधनों से श्रम क्षेत्र में सामाजिक सुरक्षा को गति देने का आह्वान किया गया, वहीं 2022 का बाली घोषणा-पत्र सामाजिक सुरक्षा पर केंद्रित लच्छेदार भाषणों तक सीमित रहा।

मां की डांट से क्षुब्ध युवक ने गंगापुल से लगाई छलांग, तलाश में जुटी पुलिस

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। कोतवाली सैदपुर क्षेत्र अंतर्गत सैदपुर गंगापुल से मंगलवार की शाम मां की डांट से क्षुब्ध एक युवक आत्महत्या के लिए नदी में कूद गया। पुल से गुजर रहे राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने तत्काल नाविकों की मदद से नदी में युवक की तलाश शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मंगलवार की शाम को चंदौली जनपद के बलुआ थाना अंतर्गत टांडा कला गांव निवासी आकाश गिरी उम्र 18 अचानक सैदपुर चंदौली गंगा पुल पर पहुंच गया। इससे पहले पुल पर चलने वाले राहगीर कुछ समझ पाते युवक ने नदी में छलांग लगा दी। जिसके बाद नदी के किनारे खड़े मछुआरों को पुल पर से युवक की सूचना देकर लोग तेज आवाज में चिल्लाने लगे। यह देख कुछ नाविक मौके पर पहुंचे लेकिन तब तक युवक नदी की गहराइयों में समा चुका था। इसके बाद स्थानीय लोगों ने तत्काल घटना की जानकारी पुलिस को दिया। सूचना

पर पहुंची पुलिस ने पुल पर ही पड़े युवक के मोबाइल फोन से उसके परिजनों को घटना की जानकारी दी। इसके बाद युवक के परिजन भी मौके पर पहुंच गए। इस दौरान शोकाकुल परिवार के लोग मौके पर रोने चिल्लाने लगे। जिन्हें आसपास के मौजूद लोग ढाढस बंधाते रहे। परिवार के सदस्यों से पता चला की युवक आकाश मुंबई में रहकर किसी कंपनी में मजदूरी का काम करता था। वह दो भाई एक बहन में सबसे छोटा था। अभी 2 दिन पूर्व ही अपने चचेरे भाई की शादी में शामिल होने के लिए घर आया था।

बेटियों को प्रोत्साहित करती है शिवराज सरकार, लाडली लक्ष्मी उत्सव इसी प्रयास की महत्वपूर्ण कड़ी है

मध्यप्रदेश में बेटियों को लेकर एक सकारात्मक एवं भावनात्मक वातावरण बन गया है। आज मध्यप्रदेश की बेटियां खूब पढ़ रही हैं और आगे बढ़ रही हैं। प्रत्येक कार्यक्षेत्र में भी अपना योगदान दे रही हैं। खेल के मैदान हों, या जोखिम भरी एवरेस्ट की चढ़ाई, बेटियों के कदमों को अब रोका नहीं जाता अपितु उन्हें आगे बढ़ाने के लिए सब सहयोगी की भूमिका में हैं। लड़ाकू विमान उड़ाने वाली पहली महिला फाइटर पायलट में भी मध्यप्रदेश की बेटी का नाम शामिल है। बेटियां अपने पग से जल, थल, नभ को नाप रही हैं। मध्यप्रदेश में यह बदलाव अचानक नहीं आया है। बेटियों के लिए बना यह वातावरण संकल्प से सिद्धि का उदाहरण है। बेटियों के प्रति संवेदनशील मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने एक संकल्प लिया कि वे बेटियों को प्रोत्साहित करने वाला वातावरण बनाएंगे। इसके लिए उनकी पहल पर 16 वर्ष पूर्व 1 अप्रैल 2007 को मध्यप्रदेश सरकार ने लाडली लक्ष्मी योजना शुरू की। स्वयं को प्रदेश की बेटियों

का मामा घोषित करके बेटी बचाओ का नारा दिया। मुख्यमंत्री का यह विचार इतना शक्तिशाली एवं प्रभावशाली था कि लोकप्रिय राजनेता नरेन्द्र मोदी जब प्रधानमंत्री बने, तो उन्होंने इस नारे को राष्ट्र का नारा बना दिया और बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ का आह्वान किया। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में मध्यप्रदेश की सरकार यहीं नहीं रुकी, अपितु बेटियों को संरक्षण और संबल देने के लिए प्रयास अनेक स्तर पर किए गए। इस सबमें अधिक महत्वपूर्ण है कि उन्होंने इस मुद्दे पर जनता से सीधे और लगातार संवाद किया। जब एक जनप्रिय राजनेता नागरिक समाज से कोई आग्रह करता है, तब उसका सुफल परिणाम आने की संभावनाएं अधिक होती हैं।

शिवराज सरकार जब 2 मई से प्रदेश में लाडली लक्ष्मी उत्सव मनाएगी, तब इसकी पृष्ठभूमि को अवश्य देखा जाना चाहिए। पृष्ठभूमि में जाये बिना हम लाडली लक्ष्मी उत्सव के महत्व को नहीं समझ पाएंगे। मध्यप्रदेश की मातृशक्ति ने वह दौर भी देखा है, जब बेटी पैदा होने पर उदासी छा जाती थी। इस नकारात्मक वातावरण का असर कन्या के जन्म से लेकर उसके विवाह तक की व्यवस्था पर रहता था। कन्या भ्रूण हत्या के रूप में एक जघन्य अपराध ने हमारे समाज में घर कर लिया था। इसके कारण मध्यप्रदेश में लिंगानुपात बढ़ता जा रहा था। प्रदेश में वर्ष 2001 में लिंगानुपात प्रति हजार लड़कों पर 919 लड़कियां था। यह आंकड़ा राष्ट्रीय औसत से भी कम था। कन्या भ्रूण हत्याओं को रोकने के लिए सरकार ने कठोर कानून तक बनाए लेकिन उसके बाद भी बेटियों के प्रति वातावरण में कोई सकारात्मक परिवर्तन नहीं आया। क्योंकि इस प्रकार की सामाजिक समस्या का समाधान समाज को साथ लिए बिना नहीं आ सकता। इस प्रकार के मामलों में कानूनी प्रावधानों के साथ ही समाज को जागरूक करना, उसके नैतिक बोध को जगाना और उसकी दृष्टि को बदलना आवश्यक होता है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पिछले 16-17 वर्षों में यही किया। उन्होंने शासन के स्तर पर भी और समाज के बीच भी स्त्री सशक्तिकरण के अभियान को गति दी। अपने घर पर प्रतिवर्ष कन्यापूजन करके उन्होंने सामाजिक संदेश दिया कि हमारे यहाँ बेटियों का स्थान देवतुल्य है। जिस घर में स्त्री का सम्मान नहीं, वहाँ खुशहाली नहीं आ सकती। इसलिए बेटियों का सम्मान करें। उसके बाद उन्होंने देखा कि समाज में बहुत बड़ा वर्ग ऐसा है, जो आर्थिक रूप से कमजोर है इसलिए उसे बेटियां बोझ लगती हैं। मुख्यमंत्री ने लाडली लक्ष्मी योजना की नींव रखकर बेटियों को आर्थिक रूप से ताकत देने का काम किया। इस योजना के अंतर्गत शिवराज सरकार अभिभावक की तरह बेटियों की पढ़ाई एवं उसके लालन-पालन की चिंता करती है। इसके अतिरिक्त शिवराज सरकार ने बेटियों को साइकिल/स्कूटी, छात्रवृत्ति, आवश्यक सुविधाएं देकर भी प्रोत्साहित किया। कन्या विवाह योजना के अंतर्गत भी सरकार बेटियों का सहयोग करती है। इस तरह अनेक प्रयासों से शिवराज सरकार ने बेटियों को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने का काम किया है। बालिकाओं के सशक्तीकरण के अंतर्गत लिंगानुपात में सुधार, बालिकाओं के जन्म के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण के विकास, बालिकाओं के शैक्षणिक स्तर के उन्नयन और स्वास्थ्य में सुधार के लक्ष्य लेकर शुरू की गई लाडली लक्ष्मी योजना बहुत हद तक अपने उद्देश्य में सफल रही है। अभी हाल ही में शिवराज सरकार ने इस योजना को विस्तार देते हुए लाडली लक्ष्मी योजना 2.0 शुरू की है। विश्वास है कि मध्यप्रदेश में बेटियों के लिए तैयार किया गया यह उत्सवी वातावरण और अधिक आनंद देने वाला होगा। हमारे प्रदेश की बेटियां खुले आसमान में उड़ेंगी, मैदानों में दौड़ेंगी, पर्वतों को विजय करेंगी, कला-संस्कृति के क्षेत्र में नये वितान रचेंगी और स्वर्णिम मध्यप्रदेश के निर्माण में अपना योगदान देंगी।

कर्नाटक कांग्रेस ने बजरंग दल पर प्रतिबंध लगाने का वादा कर आत्मघाती कदम उठा लिया है

नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार ने देश विरोधी गतिविधियों में लिप्त संगठन पीएफआई पर प्रतिबंध लगाया और अपनी इस उपलब्धि का कर्नाटक विधानसभा चुनावों के लिए जारी प्रचार के दौरान उल्लेख करना शुरू किया तो कांग्रेस को बात चुभ गयी। कांग्रेस को लगा कि इससे एक वर्ग का ध्रुवीकरण भाजपा के पक्ष में हो सकता है। कांग्रेस ने इसकी काट सोचनी शुरू की और काफी मंथन के बाद उसने जो काम किया है उससे कांग्रेस पर हिंदू विरोधी सोच रखने के आरोप लग गये हैं। हम आपको बता दें कि कर्नाटक विधानसभा चुनावों के लिए कांग्रेस ने अपना जो घोषणापत्र जारी किया है उसमें उसने ऐलान किया है कि वह सत्ता में आने पर बजरंग दल पर प्रतिबंध लगा देगी। इसके अलावा कांग्रेस ने यह भी वादा किया है कि वह मुस्लिमों के लिए चार प्रतिशत आरक्षण रद्द करने के बोम्मई सरकार फैसले को पलट देगी। कांग्रेस ने यह भी ऐलान किया है कि वह भाजपा सरकार के कई और फैसलों को पलटेगी। इसलिए सवाल उठता है कि यदि कांग्रेस को सत्ता मिली तो वह भाजपा सरकार के कौन-कौन-से फैसलों को पलटेगी? क्या भाजपा

ने जबरन धर्मांतरण विरोधी जो कानून बनाया था उसे पलट दिया जायेगा? भाजपा ने शिक्षण संस्थानों में हिजाब पहनने पर आपत्ति जताते हुए उस पर जो रोक लगाई थी, क्या वह हटा दी जायेगी? क्या कर्नाटक में भाजपा ने गौ हत्या के खिलाफ जो कानून बनाया था उसे रद्द कर दिया जायेगा? सवाल यह भी है कि जब कांग्रेस को तुष्टिकरण की राजनीति ही करनी है तो वह हिंदूवादी होने का ढोंग क्यों करती है? सवाल यह भी है कि क्या अपने कार्यकाल में पीएफआई की देशविरोधी गतिविधियों को नजरअंदाज करने वाली कांग्रेस ने कभी बजरंग दल को समझने की कोशिश की? सवाल यह भी है कि कहीं राम के अस्तित्व को ही स्वीकार करने से इंकार करने वाली कांग्रेस को 'बजरंग' नाम पर तो आपत्ति नहीं है?

कांग्रेस पीएफआई और बजरंग दल को एक नजर से देख रही है तो यह उसकी नजरों का खोट ही कहा जायेगा क्योंकि पीएफआई एक आतंकी संगठन है जो किसी का हाथ काट देता है, किसी का सर तन से जुदा कर देता है तो किसी का निर्मम तरीके से मर्डर करवा देता है तो कभी देश में दंगे भड़काता है तो कभी अन्य देशविरोधी गतिविधियां चलाता है और उसका मिशन 2047 तक भारत को इस्लामिक राष्ट्र बनाना है। दूसरी ओर बजरंग दल की बात करें तो इस संगठन का काम इसके गठन के समय से ही समाज की सेवा, भारतीय संस्कृति का यशोगान करना, हिंदू धर्म के पर्वों-त्योहारों पर विराट कार्यक्रमों का आयोजन कर धार्मिक और सांस्कृतिक मूल्यों का प्रचार प्रसार करना, युवाओं में देशप्रेम का भाव जागृत कर उन्हें जिम्मेदार नागरिक बनाने के संस्कार देना और 2047 तक भारत को पुनः विश्व गुरु बनाने का संकल्प को सिद्ध करना है।

कांग्रेस को समझना होगा कि जैसे उसने आरएसएस की तुलना आतंकी संगठन मुस्लिम ब्रदरहुड से करके अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मारी थी वैसे ही उसने एक बार फिर बजरंग दल पर प्रतिबंध की बात कह कर देश के सनातन समाज की नाराजगी मोल ले ली है। यही कारण है कि अब चुनाव प्रचार जब अंतिम दौर में है तब कांग्रेस से अति उत्साह में गलती पर गलती होती चली जा रही है। कांग्रेस ने बजरंग दल पर प्रतिबंध लगाने का वादा कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी अपने ऊपर हमलावर होने का अवसर प्रदान कर दिया है।

मां, भार हो गई ---

मां ने किया भरोसा जिसपर, जिंदगी अधम अन्हार हो गई ।
मां!,बेटे के सर का भार हो गई ।।
जिसके लिए किया मनौती, निराजल उपवास किया। स्वयं के सुख की आहुति देकर तनिक नहीं ऐतराज किया। मां के लिए बच्चे की ममता ,लवण के जैसी क्षार हो गई। मां!, बेटे के सर का भार हो गई।।--1)
प्यार सलोना देकर जिस बेटे को दुलराती रही।मेरा सोना मोना बेटा कहकर जिसे बुलाती रही।। जीवन की सारी उम्मीदें अब सिसक सिसक कर पार हो गई।
मां!,बेटे के सर का भार हो गई।।--2)
टूटी खाट पर फटा बिछावन। आंसू बनकर झरता सावन।रोज मनाती कब आएगा यमदूत लेकर के धावन।।
सरस दुसह दुःख सहा नहीं जाता,अब जाने को तैयार हो गई।
मां! ,बेटे के सर का भार हो गई।।--3)

गौरीशंकर पाण्डेय सरस

संक्षिप्त खबरें

सुजलॉन को ठेका मिला

नई दिल्ली। नवीकरणीय ऊर्जा समाधान कंपनी सुजलॉन को जुनिपर ग्रीन एनर्जी से 69.3 मेगावाट की पवन ऊर्जा परियोजना का ठेका मिला है। कंपनी के मंगलवार को बयान में कहा कि यह परियोजना गुजरात के सुरेंद्र नगर जिले में स्थित है और इसके 2024 में चालू होने की उम्मीद है। बयान के अनुसार सुजलॉन समूह ने जुनिपर ग्रीन एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड से 69.3 मेगावाट पवन ऊर्जा परियोजना के विकास के लिए तीन मेगावाट उत्पाद श्रृंखला का दूसरा आर्डर हासिल किया है। हालांकि, कंपनी ने इस ठेके की राशि का खुलासा नहीं किया है।

एमओयू पर हस्ताक्षर

नई दिल्ली। एग्रीटेक डेटा, जोखिम प्रबंधन और वित्तीय सेवा क्षेत्र की अग्रणी कंपनी लीड्स कनेक्ट ने हैदराबाद में एक कार्यक्रम का आयोजन किया। यह कार्यक्रम किसान उत्पादक संगठनों के लिए मार्केटिंग रणनीतियों को लेकर था। लीड्स ने इसे इंटरनेशनल क्राप्स रिसर्च इंस्टीट्यूट फॉर द सेमी-एरीड ट्रॉपिक्स के सहयोग से आयोजित किया। लीड्स के चेयरमैन व प्रबंध निदेशक नवनीत रविकर ने आईसीआरआईएसएटी का प्रतिनिधित्व कर रहे डा. विक्टर अफारी-सेफा के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर किए।

यूको बैंक को मुनाफा

मुंबई। सार्वजनिक क्षेत्र के यूको बैंक का शुद्ध लाभ बीते वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में 86.2 प्रतिशत बढ़कर 581.24 करोड़ रुपए पर पहुंच गया है। डूबा कर्ज घटने से बैंक का मुनाफा बढ़ा है। इससे पिछले वित्त वर्ष 2021-22 की चौथी तिमाही में बैंक ने 312.18 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ कमाया था। शेयर बाजारों को भेजी सूचना में बैंक ने कहा है कि उसने 2022-23 में 1,862.34 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ कमाया है, जो 2021-22 के 929.76 करोड़ रुपए से लगभग दोगुना है। यह बैंक का किसी एक वित्त वर्ष में सबसे ज्यादा लाभ है।

दस भाषाओं में आया मिंत्रा

नई दिल्ली। फैशन को आम जनता तक पहुंचाने के अपने मिशन को जारी रखने के साथ ही इच्छुक व्यक्ति समान को बड़ी ही आसानी से खरीद सके इस इरादे से आनलाइन मार्केटप्लेस मिंत्रा ने हिंदी के साथ ही 10 अन्य क्षेत्रीय भाषाओं में सर्च करने की सुविधा शुरू की है। कंपनी ने यहां जारी बयान में कहा कि यह फीचर पूरी तरह से ग्राहकों को ध्यान में रख कर ही बनाया गया है। यह मिंत्रा ऐप पर लाइव रहेगा, जिसकी मदद से उपयोगकर्ता उनकी मूल भाषाओं में इस प्लेटफार्म पर खोज और खरीदारी कर सकते हैं।

जिप इलेक्ट्रिक की योजना

मुंबई। इलेक्ट्रिक परिवहन क्षेत्र की स्टार्टअप जिप इलेक्ट्रिक ने अगले दो माह में बेंगलुरु में 10,000 इलेक्ट्रिक स्कूटर तैनात करने की घोषणा की है। कंपनी ने मंगलवार को यह जानकारी देते हुए कहा कि उसके 2,000 ई-स्कूटर पहले से सड़कों पर दौड़ रहे हैं। कंपनी ने कहा कि शेष 8,000 ई-स्कूटर भी अगले दो माह में सड़कों पर दिखाई देंगे। यह कदम कंपनी की हाल में अपनी सेवाओं का देश के 30 शहरों में विस्तार करने की योजना का हिस्सा है। कंपनी का इरादा 2025 तक अपने बेड़े के आकार को दो लाख ई-स्कूटर करने का है। कंपनी ने कर्नाटक की राजधानी में दो हजार डिलिवरी कर्मियों को जोड़ा है।(एजेंसी)

उभरती अर्थव्यवस्थाओं के लिए वृद्धि का इंजन बनना जरूरी : सीतारमण

सोल (भाषा)। वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को कहा कि उभरती अर्थव्यवस्थाओं के लिए वृद्धि का इंजन बनना और दुनिया के समक्ष उत्पन्न चुनौतियों के समाधान में मदद करना जरूरी है। उन्होंने कहा, जी-20 की अध्यक्षता उभरती अर्थव्यवस्थाओं के लिए महत्वपूर्ण चरण में आई है। वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए नए सिरे से स्वयं को स्थापित करने के लिए तीन साल काफी महत्वपूर्ण हैं।

भारत वर्तमान में विकासशील और विकसित देशों के समूह जी-20 का अध्यक्ष है। भारत ने अध्यक्षता इंडोनेशिया से ग्रहण की और वर्ष के अंत में इसे ब्राजील को सौंप देगा।

सोल में प्रवासी भारतीयों को संबोधित करते हुए वित्तमंत्री ने कहा, भारत पर केवल सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था के तौर पर ही नहीं, बल्कि जिस तरह से इसने महामारी को संभाला है और आर्थिक पुनरुद्धार को आगे बढ़ाया है, उसके कारण भी दुनिया के देशों की नजर है। सीतारमण एशियाई विकास बैंक (एडीबी) की वार्षिक बैठक में भाग लेने के लिये सियोल में हैं। उन्होंने कहा कि विकसित देशों में मंदी की आशंका है, वहीं उन देशों के केंद्रीय बैंक महंगाई से निपटने के लिए ब्याज दर बढ़ा रहे हैं। सीतारमण ने कहा, ऐसी स्थिति में वैश्विक स्तर पर खासकर उभरती अर्थव्यवस्थाएं, वृद्धि को कैसे टिकाऊ बनाए रख सकती हैं, जबकि वहां आर्थिक वृद्धि के अच्छे संकेत हैं...क्या हमारे लिए उस विकास को बनाए रखना संभव है, क्या हमारे लिए उस वृद्धि को गति देना संभव है, ताकि उभरते बाजार वास्तव में विकास के इंजन बन सकें और वैश्विक संकट को हल करने में मदद कर सकें। वित्तमंत्री ने कहा, जी-20 तिकड़ी (इंडोनेशिया, भारत और ब्राजील) सभी उभरती हुई अर्थव्यवस्थाएं हैं और इसलिए यह महत्वपूर्ण है कि दक्षिण देशों की आवाज सुनी जाए। दक्षिण शब्द (वैश्विक साउथ) अपेक्षाकृत कम विकसित देशों के लिए उपयोग किया जाता है।

■ कहा, वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए नए सिरे से स्वयं को स्थापित करने के लिए तीन साल काफी महत्वपूर्ण

कोल इंडिया का उत्पादन 7.7% बढ़ा

नई दिल्ली (भाषा)।

दुनिया की सबसे बड़ी कोयला खनन कंपनी कोल इंडिया लि. (सीआईएल) के कोयला उत्पादन में अप्रैल में 7.7 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। इसके साथ ही कोल इंडिया की विभिन्न उपयोगकर्ताओं को कोयले की आपूर्ति भी बेहतर रही है।

कोल इंडिया ने मंगलवार को बयान में कहा कि उसने अप्रैल में 'ओवरबर्डन रिमूवल' (ओबीआर) यानी में एक साल पहले के इसी महीने की तुलना में 31 प्रतिशत की प्रभावी वृद्धि दर्ज की है। कोयला खानों से कोयला निकालने में जब मिट्टी और पत्थर की परतें हटाने की जरूरत पड़ती है, तो इसे ओबीआर कहा जाता है।

रुपए के मूल्य वाले बांड जारी करने पर विचार करेगा एशियाई विकास बैंक

इंचियोन (द.कोरिया), (भाषा)। एशियाई विकास बैंक (एडीबी) के अध्यक्ष मसात्सुगु असाकावा ने मंगलवार को कहा कि बैंक रुपए की वैल्यू वाले बांड जारी कर कोष जुटाने के विकल्प पर विचार करेगा। स्थानीय मुद्रा में कोष जुटाने से विदेशी मुद्रा विनिमय के स्तर पर होने वाला उतार-चढ़ाव कम होता है।

असाकावा ने कहा, 'हम विदेशी मुद्रा विनिमय में उतार-चढ़ाव के जोखिम से बचने के लिए स्थानीय मुद्रा में वित्त पोषण को बढ़ावा देने को इच्छुक हैं।' उन्होंने कहा कि निर्णय बाजार स्थिति, मांग और आपूर्ति पर निर्भर करेगा। उल्लेखनीय है कि पूर्व में बहुपक्षीय वित्त पोषण एजेंसी एडीबी ने देश में परियोजनाओं के वित्त पोषण को लेकर रुपए के मूल्य में बांड जारी कर कोष जुटाया है। एशियाई विकास बैंक ने जनवरी 2021 में इंडिया आईएनएक्स के वैश्विक प्रतिभूति बाजार मंच पर 300 करोड़ रुपए मूल्य के 10 साल के मसाला बांड को सूचीबद्ध कराया था।

इंडिया आईएनएक्स अंतरराष्ट्रीय प्रतिभूति बाजार है। यह गुजरात में अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र गिफ्ट सिटी में स्थित है। असाकावा ने एडीबी के संचालन बोर्ड की 56वीं सालाना आम बैठक की शुरूआत के मौके पर संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि भारत में अगले पांच साल में 25 अरब डालर के निवेश को संचालन बोर्ड से मंजूरी मिलना बाकी है। इस बारे में अभी कोई निर्णय नहीं हुआ है। उन्होंने कहा, 'यह मेरा लक्ष्य है। द्विपक्षीय बैठकों के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लगातार बुनियादी ढांचा और नवीकरणीय ऊर्जा के विकास के महत्व पर जोर दिया है।' असाकावा ने फरवरी में अपनी भारत यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी से कहा था कि देश की तेज, समावेशी तथा हरित वृद्धि की आंकाक्षा को पूरा करने के लिए एडीबी का अगले पांच साल में 20 से 25 अरब डालर का संसाधन प्रदान करने का लक्ष्य है।

जलवायु को लेकर सस्ते वित्तपोषण के साथ भारत का समर्थन करे एडीबी : निर्मला

इंचियोन (दक्षिण कोरिया), (भाषा)।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को एशियाई विकास बैंक (एडीबी) के अध्यक्ष मसात्सुगु असाकावा से मुलाकात की। इस भेंट के दौरान उन्होंने कहा कि एडीबी जलवायु को लेकर सस्ती दर पर और वित्तपोषण के साथ भारत का समर्थन करे क्योंकि देश की प्रगति का क्षेत्रीय और वैश्विक स्तर पर काफी सकारात्मक असर पड़ सकता है।

सीतारमण ने यहां बहुपक्षीय वित्तपोषण एजेंसी के साथ द्विपक्षीय बैठक के दौरान कहा कि भारत एडीबी की सरकारी समेत सभी प्रकार की गतिविधियों में सर्वाधिक महत्वपूर्ण देश है। उन्होंने बैंक की कर्ज देने की क्षमता बढ़ाने को लेकर अनूठी वित्तपोषण व्यवस्था के लिये एडीबी को समर्थन देने की भी बात कही। सीतारमण ने एडीबी को सलाह दी कि वह आत्ममंथन करे और आकलन करे कि बैंक कैसे प्रभावी तरीके से विकासशील देशों का समर्थन कर सकता है।

वित्त मंत्रालय ने ट्विटर पर लिखा, 'वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने एडीबी से भारत को सस्ती दर पर और जलवायु वित्तपोषण के साथ समर्थन देने का आग्रह किया है। इसका कारण यह है कि भारत की आर्थिक प्रगति का क्षेत्रीय और वैश्विक स्तर पर सकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।'

DGCA ने गो फर्स्ट को नोटिस भेजा

■ तीन-चार मई को उड़ानें निलंबित रखने के फैसले पर मांगा जवाब

Directorate General of Civil Aviation

नई दिल्ली (भाषा)। विमानन क्षेत्र के नियामक डीजीसीए ने किफायती विमानन सेवा प्रदाता गो फर्स्ट के तीन-चार मई को अपनी उड़ानें निलंबित रखने के फैसले को लेकर उसे नोटिस भेजा है।

विमानन संकट

■ पूछा, यात्रियों को होने वाली असुविधा दूर करने के लिए किस तरह के कदम उठाए गए हैं

नागर विमानन निदेशालय (डीजीसीए) ने मंगलवार को वित्तीय संकट की वजह से उड़ानों के परिचालन में नाकाम होने का दावा करने वाली गो फर्स्ट को पूर्व-सूचना के बगैर अगले दो दिन तक उड़ानें निरस्त रखने के फैसले पर जवाब देने को कहा है। निदेशालय ने कहा, गो फर्स्ट स्वीकृत कार्यक्रम का पालन करने में नाकाम रही है जिससे यात्रियों को असुविधा होगी। यह उड़ान कार्यक्रम की स्वीकृति के लिए रखी गई शर्त का उल्लंघन है। इस मामले में एयरलाइन को कारण-बताओ नोटिस भेजने के साथ डीजीसीए ने 24 घंटे के भीतर जवाब देने को कहा है।

इसके साथ ही नियामक ने गो फर्स्ट से यह भी पूछा है कि दो दिन तक उड़ानें निरस्त रखने से यात्रियों को होने वाली असुविधा दूर करने के लिए किस तरह के कदम उठाए गए हैं। गो फर्स्ट ने इंजन आपूर्ति की समस्या से अपने आधे विमानों के खड़े हो जाने का जिक्र करते हुए कहा है कि वह तीन-चार मई को उड़ानें निलंबित रखेगी। इसके अलावा कंपनी ने स्वैच्छिक दिवाला समाधान प्रक्रिया के लिए एनसीएलटी के समक्ष अर्जी भी लगा दी है।

घटनाक्रम पर नागर विमानन मंत्रालय की नजर

नई दिल्ली (भाषा)। नागर विमानन मंत्रालय की संकट में फंसी एयरलाइन गो फर्स्ट से जुड़े घटनाक्रमों पर करीबी नजर है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने मंगलवार को यह बात कही।

Ministry of Civil Aviation
Government Of India

वाडिया समूह के स्वामित्व वाली किफायती सेवाएं देने वाली एयरलाइन गो फर्स्ट ने नकदी के गंभीर संकट की वजह से तीन और चार मई की अपनी उड़ानें अस्थायी रूप से निलंबित रखने की घोषणा की है। इसके साथ ही एयरलाइन ने राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) की दिल्ली पीठ में स्वैच्छिक दिवाला समाधान प्रक्रिया के लिए भी आवेदन किया है। एयरलाइन को प्रैट एंड व्हिटनी से इंजन की आपूर्ति नहीं मिलने की वजह से अपने बेड़े के आधे से अधिक यानी 28 विमानों को खड़ा करना पड़ा है। इस वजह से एयरलाइन के समक्ष नकदी का संकट पैदा हो गया है। इस बारे में एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने कहा कि मंत्रालय की गो फर्स्ट से जुड़े घटनाक्रमों पर करीबी नजर है। अधिकारी ने कहा कि देश का नागर विमानन क्षेत्र मजबूत है लेकिन वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में दिक्कत जैसे बाहरी मुद्दे गो फर्स्ट की इस स्थिति के लिए जिम्मेदार हैं। गो फर्स्ट 17 साल से अधिक से परिचालन कर रही है। चालू साल की पहली तिमाही में इसने घरेलू मार्गों पर 29.11 लाख लोगों को यात्रा कराई है। इस दौरान गो फर्स्ट की बाजार हिस्सेदारी 7.8 प्रतिशत रही।

■ कहा, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में दिक्कत जैसे बाहरी मुद्दे गो फर्स्ट की इस स्थिति के लिए जिम्मेदार

किशोर बियानी व 13 अन्य पर जुर्माना

नई दिल्ली (भाषा)।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने प्रैक्सिस होम रिटेल के शेयरधारकों के लिए खुली पेशकश की सार्वजनिक घोषणा करने में विफल रहने पर फ्यूचर कारपोरेट रिसोर्सेज, किशोर बियानी और 13 अन्य पर कुल 20 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। सेबी ने इन लोगों को 45 दिन में जुर्माना अदा करने को कहा है।

बाजार नियामक ने अपनी जांच में पाया कि फ्यूचर कारपोरेट रिसोर्सेज प्राइवेट लिमिटेड (एफसीआरएल), 14 अन्य इकाइयों के साथ प्रैक्सिस में एफसीआरएल की हिस्सेदारी में वृद्धि के बाद खुली पेशकश की सार्वजनिक घोषणा करने में विफल रही। प्रैक्सिस के कुल 30 लाख इक्विटी शेयरों को इसकी एक प्रवर्तक इकाई एफसीआरएल को आवंटित किया गया था। एफसीआरएल ने 3,180 अनिवार्य रूप से परिवर्तनीय डिबेंचर (सीसीडी) को बदलने का विकल्प चुना था। उसे कुल 7,500 सीसीडी आवंटित किए गए थे। सीसीडी को बदलने का विकल्प चुनने के बाद प्रैक्सिस में एफसीआरएल की हिस्सेदारी दिसम्बर, 2019 को समाप्त तिमाही में 47.43 प्रतिशत से बढ़कर 53.13 प्रतिशत हो गई थी। उसकी शेयरधारिता में 11 फरवरी, 2020 तक 5.71 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई थी। सेबी के शुक्रवार को जारी आदेश के मुताबिक, 'चूंकि आवंटन के बाद प्रैक्सिस में एफसीआरएल की शेयरधारिता में 5.71 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी, जो पांच प्रतिशत से अधिक है।

ऐसे में एफसीआरएल व अन्य को शेयरों के पर्याप्त अधिग्रहण और खरीद-एसएएसटी नियमन के तहत खुली पेशकश की सार्वजनिक घोषणा करनी चाहिए थी।

शेयर बाजार में तेजी

मुंबई (भाषा)। स्थानीय शेयर बाजारों में मंगलवार को आठवें कारोबारी सत्र में तेजी जारी रही और बीएसई सेंसेक्स 242 अंक से अधिक की बढ़त के साथ 61,354.71 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी भी 82.65 अंक की तेजी से 18,147.65 अंक पर बंद हुआ। गौरतलब है कि बाजारों में पिछले सप्ताह से तेजी का रुख बना हुआ है।

सड़क निर्माण में अब नहीं काटे जा रहे हैं पेड़

■ निर्माण के रास्ते में आ रहे पेड़ किए जा रहे शिफ्ट

नई दिल्ली (वार्ता)।

केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने मंगलवार को कहा कि सड़क निर्माण के दौरान अब पेड़ों को काटा नहीं जाता बल्कि उनको उस स्थान से हटाकर दूसरे स्थान पर शिफ्ट कर दिया जाता है।

उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में राष्ट्रीय राजगार्म निर्माण परियोजना के एक खंड पर 1,025 बरगद के पेड़ों को सड़क किनारों पर सफलतापूर्वक प्रत्यारोपित किया गया है। गडकरी ने अपने ट्वीट में कहा, 'फरवरी-मार्च 2022 में हमने एक परियोजना के तहत एनएच 965जी के बारामती-इंदापुर खंड पर महाराष्ट्र में संत तुकाराम महाराज पालखी मार्ग पर बरगद के इन पेड़ों का प्रत्यारोपण किया।'

उन्होंने आगे कहा कि प्रत्यारोपित पेड़ों में से 85 प्रतिशत (870 पेड़) सुरक्षित है। उन्होंने बताया कि ये पेड़ स्वस्थ हैं और विकसित हो रहे हैं तथा इससे न केवल पर्यावरण को संरक्षित करने में मदद मिली है, बल्कि यात्रियों को भी सुखद दृश्य का आभास हो रहा है।

फास्टैग से टोल का संग्रह रिकार्ड स्तर पर पहुंचा

■ 29 अप्रैल को हुआ 193 करोड़ का संग्रह ■ इस दिन किए गए 1.16 करोड़ ट्रांजेक्शन

नई दिल्ली (भाषा)।

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने मंगलवार को कहा कि फास्टैग से टोल (पथकर) संग्रह 29 अप्रैल को 193.15 करोड़ रुपए के रिकार्ड स्तर पर पहुंच गया। एक दिन में 1.16 करोड़ लेन-देन हुए।

एनएचएआई ने बयान में कहा कि सरकार ने फरवरी में 2021 में फास्टैग को अनिवार्य कर दिया था। उसके बाद फास्टैग कार्यक्रम के तहत टोल प्लाजा 770 से बढ़कर 1,228 पहुंच गए। इसमें 339 राज्य टोल प्लाजा शामिल है।

इसमें 'फास्टैग रेडियो-फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन' (आरएफआईडी) तकनीक का उपयोग किया जाता है। इससे उपयोगकर्ता को टोल प्लाज पर रुकने की जरूरत नहीं पड़ती और वह कुछ ही सेकेंड में टोल का भुगतान कर आगे बढ़ जाता है। भुगतान बैंक वॉलेट से जुड़े फास्टैग के माध्यम से डिजिटल रूप से किया जाता है।

एनएचएआई ने कहा कि टोल संग्रह में प्रभावी उपयोग के बाद फास्टैग ने देश के 50 से अधिक शहरों में 140 से अधिक पार्किंग स्थलों में भुगतान को सुगम बनाया है।

एनएचएआई ने यह भी कहा कि वह देश में और सुगम टोल व्यवस्था के लिए ग्लोबल नेविगेशन सैटेलाइट सिस्टम (जीएनएसएस) आधारित पथकर व्यवस्था लागू करने के लिए कार्यों को अंतिम रूप देने की दिशा में काम कर रहा है।

आईओसी चेयरमैन पद के लिए दस लोग लाइन में

नई दिल्ली (भाषा)। इंडियन आयल (आईओसी के चेयरमैन पद के लिए चेन्नई पेट्रोलियम कारपोरेशन लि. (सीपीसीएल) के प्रबंध निदेशक अरविंद कुमार समेत 10 लोग दौड़ में शामिल हैं। लोक उद्यम चयन बोर्ड (पीईएसबी) ने पद के लिए कुमार और नौ अन्य लोगों का नाम छांटा है। बोर्ड के नोटिस के अनुसार, उन्हें 16 मई को साक्षात्कार के लिए बुलाया गया है। पीईएसबी साक्षात्कार लेने के बाद उम्मीदवार के नाम की सिफारिश करेगा। चयनित उम्मीदवार श्रीकांत माधव वैद्य का स्थान लेगा जो इस साल 31 अगस्त को 60 साल की आयु करने के बाद सेवानिवृत्त हो रहे हैं। जिन लोगों को साक्षात्कार के लिये छांटा गया है, उनमें आईओसी के पांच कार्यकारी निदेशक, कंटेनर कॉरपोरेशन आफ इंडिया लि. के निदेशक (वित्त) मनोज कुमार दुबे और एनएमडीसी लि. के निदेशक (वित्त) अमिताभ मुखर्जी शामिल हैं। पीईएसबी की सूची के अनुसार, भारतीय रेलवे सेवा के अधिकारियों यतेन्द्र कुमार और रंजन प्रकाश ठाकुर को भी साक्षात्कार के लिये बुलाया गया है। साक्षात्कार के लिए बुलाये गये आईओसी के कार्यकारी निदेशकों में संदीप जैन, अन्ना दुरई, शैलेंद्र कुरुमाद्दली, संजय पराशर और गुर प्रसाद हैं।

टीसीएस ने 45 दिन पहले अपने स्टाफ को फार्म 16 भेजा

मुंबई (भाषा)।

निजी क्षेत्र की सबसे बड़ी नियोक्ता फर्म टाटा कंसल्टेंसी (टीसीएस) ने अपने छह लाख कर्मचारियों के लिए 45 दिन पहले ही फार्म 16 भेज दिया है ताकि वे समय पर आयकर रिटर्न जमा कर सकें।

टीसीएस के डिप्टी सीएफओ लक्ष्मीनारायणन ने कहा कि 27 अप्रैल तक कर्मचारियों के लिए फार्म 16 जारी किए गए। देश की सबसे बड़ी आईटी सेवा कंपनी टीसीएस के कर्मचारियों को बेहतर अनुभव देने के लिए यह पहल की गई है जिसमें प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल कर मानवीय हस्तक्षेप को कम किया गया है। इस काम को आउटसोर्स करने के बजाय अंदरूनी स्तर पर ही अंजाम दिया गया।

आपूर्ति व्यवस्था में बदलाव से भारत को फायदा

■ डब्ल्यूईएफ अर्थशास्त्रियों के बीच सर्वे का निष्कर्ष ■ वैश्विक अर्थशास्त्रियों ने कहा, इस वर्ष आएगी मंदी

नई दिल्ली (भाषा)। वैश्विक स्तर पर आपूर्ति व्यवस्था में बदलाव से भारत जैसी अर्थव्यवस्था वाले देशों को लाभ होगा। विश्व आर्थिक मंच के अर्थशास्त्रियों के बीच किए गए एक सर्वेक्षण में यह कहा गया है।

वहीं दुनिया भर के अर्थशास्त्रियों के वैश्विक अर्थव्यवस्था की संभावनाओं को लेकर अलग-अलग विचार हैं। जहां कुछ अर्थशास्त्री यह मान रहे हैं कि वैश्विक स्तर पर मंदी इस साल आने की आशंका है, वहीं कुछ इससे सहमत नहीं है। विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) से जुड़े मुख्य अर्थशास्त्रियों की राय के आधार पर तैयार परिदृश्य में डब्ल्यूईएफ ने कहा कि आर्थिक वृद्धि और मुद्रास्फीति की स्थिति विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक रूप से अलग-अलग होगी।

आर्थिक परिदृश्य का ताजा संस्करण वर्तमान आर्थिक वृद्धि की अनिश्चितता को बताता है। श्रम बाजार फिलहाल मजबूत साबित हो रहा है, लेकिन वृद्धि सुस्त बनी हुई है। वैश्विक स्तर पर तनाव बढ रहा है और कई देशों में रहन-सहन की लागत ऊंची बनी हुई है। यह स्थिति अल्पकालिक स्तर पर वैश्विक नीति के मामले में समन्वय के साथ-साथ दीर्घकालिक सहयोग की जरूरत को बताती है।

सादिया जाहिदी, प्रबंध निदेशक
विश्व आर्थिक मंच

आर्थिक नीति के मोर्चे पर 72 प्रतिशत अर्थशास्त्रियों का अनुमान है कि अगले तीन साल में विभिन्न देशों में सक्रियता के साथ औद्योगिक नीति को लागू करने का चलन बढ़ेगा। ज्यादातर अर्थशास्त्रियों को यह नहीं लगता कि हाल में वित्तीय क्षेत्र में जो संकट आया है, उससे व्यवस्था के स्तर पर कोई बड़ी समस्या है। हालांकि इस साल बैंकों के विफल होने के मामले और समस्याएं सामने आ सकती हैं।

विश्व आर्थिक मंच के परिदृश्य के अनुसार एशिया में आर्थिक गतिविधियां तेज रह सकती हैं। चीन में अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों को फिर से खोले जाने से वहां गतिविधियां बढ़ेंगी जिसका सकारात्मक असर पूरे महाद्वीप पर देखने को मिलेगा।

दिल मांगे झट-पट बच्चे

खरी खरी

■ मनीषा

हिन्दी फिल्मों के उम्रदराज कुंवारे स्टार सलमान खान बाप बनने को लालायित हैं। मगर सरोगेसी कानून अब उन्हें इजाजत नहीं दे रहा। खान ने अपनी भावनाएं प्रकटते हुए बताया कि शादी के लिए परिवार का बहुत दबाव है। इसलिए वह आखिरी प्यार तलाश रहे हैं। 57 के रहे खान कह रहे हैं, मुझे बच्चों का बहुत शौक है मगर बच्चे आते हैं तो मां भी आती है। अच्छा है कि वह मान रहे हैं कि मां उनके लिए बहुत अच्छी होती है। अपने बच्चों की मां सलमान को चाहिए पर बीवी नहीं। ऐसे में ही तो सरोगेसी की जरूरत पड़ रही है। फिल्म इंडस्ट्री के कई कुंवारों ने आनन-फानन में किराये की कोख लेकर अपने बच्चे पैदा करवा लिये हैं। करण जौहर, एकता कपूर और तुषार इनमें शामिल हैं। 2022 जनवरी में चोपड़ा ने भी सरोगेसी से बिटिया पा ली। चूंकि वह परदेश में रहती हैं, इसलिए कानून की पकड़ से बाहर रही। चोपड़ा ने गये हफ्ते बताया कि तीस साल के दौरान ही अपने एग्ज फ्रीज करवा लिये थे। जब वह हॉलीवुड में क्वांटिको की शूटिंग कर रही थी। प्रीमैच्योर जन्मी इस बच्ची को लेकर भी प्रियंका काफी समय तक चिंतित रही। अपनी स्त्री रोग विशेषज्ञ मां की सलाह पर प्रियंका ने यह निर्णय लिया था। इस दौरान वह बहुत तनाव में थी और एग्स फ्रीज कराना काफी पीड़ादायक रहा। एक पोडकॉस्ट में प्रियंका कहती है, महीनों लगातार इंजेक्शन लगते रहे। इतना ही नहीं, नियमित दवाएं लेने के कारण हार्मोन्स भी ऊपर नीचे होते रहे। जिसने पागल कर दिया था और सूजन आ जाती थी। वह कहती हैं, एग फ्रीज कराने के बाद काफी आजादी महसूस हुई। चोपड़ा ने कामकाजी औरतों को सलाह दी कि उन्हें पैसे बचा कर एग्स जरूर फ्रीज कराने चाहिए। असल मसला यही है। सरोगेसी को लेकर स्यापा करना या अंडाणुओं को सुरक्षित रखवाने का मशवरा देना, औरतों के दिमाग में कीड़ा डालने सरीखा भी हो सकता है। किसी पुराने इंटरव्यू में चोपड़ा ने बताया था, बच्चे मुझे हमेशा पसन्द रहे। मेरी चाहत थी, मैं मां बनूं। क्योंकि बच्चों से मेरा गहरा लगाव है। फिर बच्ची को किराये की कोख के मार्फत पाना, थोड़ा खटकटा है। इंडस्ट्री में विद्या बालन सरीखी हिम्मती व खुली सोच रखने वाली स्त्रियां कम ही हैं। विद्या ने सार्वजनिक तौर पर माना कि उनकी देह/सेहत गर्भधारण करने में सहयोगी नहीं हैं, इसलिए वे बच्चा जनने को लेकर परेशान नहीं है। सलमान को भी किराये की कोख की बजाए अपने पिता सलीम खान से सीखना चाहिए। जो सड़क पर लावारिस पड़ी बच्ची को घर ही नहीं लाये, उसे बेहतरीन जीवन दिया और दुनिया को सीख भी दी। डिस्को डांसर के तौर पर फेमस फिल्मस्टार मिथुन चक्रवर्ती ने भी बेसहारा लड़की को अपनाया और परिवार का हिस्सा बनाया। रवीना टंडन, सुष्मिता सेन ने भी बेसहारा बच्चियों को अपना कर ऐसे ही संदेश दिये हैं।

अंडाणु फ्रीज कराना, जो औरतें देर से बच्चा जनना चाहती हैं, के लिए आधुनिक सुविधा है। या जिनमें किन्ही बीमारियों या कमजोरी के कारण गर्भ ठहरने में दिक्कत हो सकती है। गर्भ में प्राकृतिक रूप से कोई बड़ी गड़बड़ है। जिनको रजोनिवृत्ति जल्दी होने के अनुवांशिक कारण हैं। ऐसी औरतों के लिए यह सहायक हो सकता है। हालांकि विशेषज्ञ कहते हैं, फ्रोजन एग से गर्भ ठहराना अभी आसान नहीं है। ताजे एग के मुकाबले ये अभी भी कहीं नहीं ठहरते। यही नहीं बल्कि कई बार अण्डाणु को सुरक्षित रखने के लिए सालों का टाइम लग जाता है। इसकी सफलता भी अभी 40% के दरम्यान ही है। 38 से कम उम्र वालियों के 51% जबकि कम उम्र वालियों के 70% तक संभावनाएं रहती हैं। एग की तरह ही स्पर्म भी फ्रीज कराए जा रहे हैं। जिन पुरुषों को देरी से बच्चे पैदा करने हैं, उनके लिए यह अत्याधुनिक सुविधा है। यह बेहद मंहगी व्यवस्था है, इसलिए आम आदमी की पहुंच से दूर है। इन्हें विशेष प्रयोगशाला में 196 डिग्री पर सुरक्षित रखा जाता है। बेहतर है औरतें 35 साल की उम्र तक व पुरुष 45 से पहले एग/स्पर्म फ्रीज करवाएं। बावजूद इसके दुनिया भर में बेसहारा बच्चों की तादाद इतनी ज्यादा है कि इन सब तकनीकों को जबरन इस्तेमाल करने की जिद मानसिक दीवालियेपन का आभाप देती है। अपना वंश, खून का रिश्ता, अपने जीन्स का लोभ अब तक कम नहीं हो रहा। पढे-लिखे, संभ्रान्त लोगों के दिमाग में अब तक यही संकीर्णताएं गिजगिजा रही हैं। रूढियों से मुक्ति नजर नहीं आ रही।

मौजूदा दौर की व्यस्त कलाकार आलिया भट्ट रणवीर कपूर से शादी के बाद केवल तीस की उम्र में मां बनी। उसकी दो बड़ी फिल्म रिलीज हुई थीं और लाइन में कई बड़े प्रोजेक्ट थे। इतना ही नहीं प्रसव के कुछ ही समय बाद भट्ट काम पर लौटी। दैहिक तौर पर फिट होने के लिए कड़ी मेहनत करने वाली आलिया ने बताया- नन्हीं बच्ची के पालन और काम के दरम्यान बैलेन्स बनाने में कोई गड़बड़ ना हो, इसका दबाव हमेशा बना रहता है। मॉम गिल्ट को लेकर वह कहती है, मैं हर चीज पर नजर रखना चाहती हूं। इसलिए वह हफ्ते में थेरेपी ले रही है। प्रसवोपरान्त स्त्रियां खास तरह की मानसिक दशा से गुजरती हैं। जिसे विशेषज्ञ पोस्टपार्टम कहते हैं। प्रसूता में उठने वाली चिन्ता, मूड स्विंग, नींद संबंधी दिक्कत व रोने की इच्छा होना है। जिसे बेबी ब्लूज भी कहते हैं। भट्ट कहती है, बच्चे को जन्मना हर तरह से चमत्कार है। हम कम से कम क्या कर सकते हैं। देह को वह प्यार और सम्मान दें, जो उसने आपको दिया है। आलिया भी तमाम युवाओं की प्रेरणा है। जिसने बहुत सलीके से बहुत सकारात्मक संदेश दिया है। उचित वक्त पर ब्याह और बच्चा जनने का निर्णय उसकी दूरदर्शिता के साथ ही बच्चे के प्रति अपनापा भी झलक रहा है। उसने करियर को दांव पर लगाकर बच्चा जना। बच्चों को लेकर आमतौर सभी कोमल भावनाएं रखते हैं। थोड़ी समझदारी, दूरदर्शिता के साथ अपारंपरिक होना भी कई बार अच्छा हो सकता है। बाजार के छलावे और तकनीक के लोभ के जाल में फंसने की बजाए नजरिया बदलना भी समूचे समाज के लिए सकारात्मक हो सकता है। खासकर अपने यहां फिल्म स्टारों की फॉलोइंग इतनी जबरदस्त है, उनको कॉपी करने वाले कुछ भी करने को राजी रहते हैं। इसलिए उनकी यह नैतिक जिम्मेदारी भी है कि वे उचित राह दिखाएं। ना कि लोभ में वही सब करें, जो उनके पक्ष में है। ■

नया कश्मीर

यात्रा वृतांत

■ राजेश मणि

श्रीनगर कश्मीर एयरपोर्ट पर उतरा, कौतूहल बना हुआ था।कश्मीर देखने का, लेकिन मन में बहुत सारे सवाल थे। जब से होश में आया तब से कश्मीर के बारे में सुना करता था कश्मीर ऐसा है, कश्मीर वैसा है, देश का हिस्सा है, देश का हिस्सा नहीं है,अभी भी मन में कही न कही से भय था। विश्वास अन्दर ही अन्दर डगमगा रहा था, अकेले था गाड़ी तय करनी थी। स्थान मुझे बता दिया गया था, वही मुझे जाना था। प्रीपेड गाड़ी बुक किया। अभी हाथ में ही पर्ची थी। लम्बा, गोरा, छरहरा, हलकी दाढ़ी रखे हुए स्मार्ट युवक मिला, बोला कहा जाना है मैंने बताया, फिर गाड़ी में बैठा। उसके साथ एक आदमी और था। थोड़ी दूर जाने के बाद दूसरा आदमी उतर गया।

पूछा, आपका नाम क्या है। मुस्कुराते हुए युवक बोला, मेरा नाम आकिब है। मैं आपका स्वागत करता हूं, पूरे कश्मीरियों की तरफ से आपका कश्मीर में स्वागत करता हूं मैंने धन्यवाद बोला फिर हम दोनों की बात शुरू हुई कौतुहल तो मेरे मन में था ही, पूछा और बताओ इस समय कश्मीर कैसा है फिर क्या था आकिब ने बोलना शुरू किया जनाब आप खुद देखिए, चहल-पहल है, ट्रैफिक जाम है, भीड़ है सभी दुकाने खुली हुई है बेफिक्र हो कर सब लोग घूम रहे हैं। अब क्या चाहिए ये नया कश्मीर है साहब, मैं थोड़ा रुका फिर कहा मतलब आकिब ने बोला, आए दिन पत्थरबाजी होती थी, सब कुछ ठप्प सा था। आए दिन दुकानें बंद हो जाती थी। गाड़ी बंद हो जाती थी। हम लोगों की रोजी रोटी ठप्प हो जाती थी आज सब कुछ ठीक से चल रहा है मैंने पूछा ये बाजार कब तक खुला रहेगा। साहब ऐसा कुछ नहीं है, देर रात तक खुला रहेगा। बिना डर भय के खुला रहेगा आकिब बोलते चले गए साहब पहले पत्थरबाजी होती थी। पत्थर बाजो को फोर्स उठा ले जाती थी फिर उन्हें कुछ नेता लोग छुड़ाने जाते थे। मोदी ने सबसे पहले उन नेता को ही बंद कर दिया। उन्हें ही बंधक बना दिया, बहुत अच्छा किया साहब। अपने लाभ के लिए हम युवा वर्ग को बर्बाद कर देते थे। अब हम सभी अमन चैन से है। रोजी रोटी चल रही

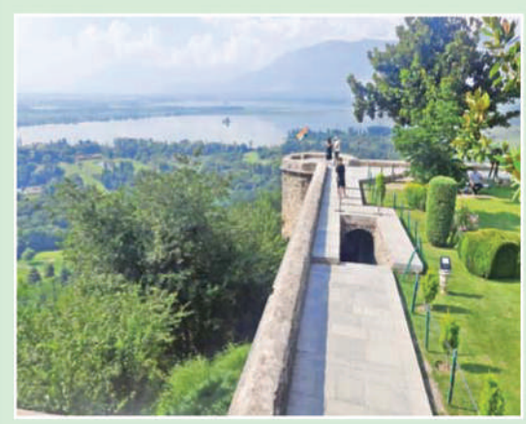

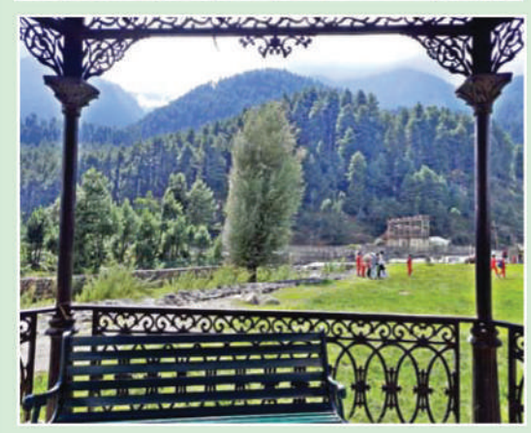

है। टूरिस्ट खूब आ रहे हैं। बहुत निर्माण व विकास का काम चल रहा है। जम्मू से कश्मीर तक की ट्रेन भी चलाने वाले है। साहब ये है नया कश्मीर।

मेरा गंतव्य स्थान आ गया, आकिब ने कहा, मेरा नंबर ले लीजिए, किसी भी प्रकार की कोई दिक्कत हो दिन हो रात हो, मुझे आप फोन कर सकते हैं। आप मेरे मेहमान है, हम कश्मीरी मेहमान की बहुत इज्जत करते हैं। मैंने बोला, मेरे पास बहुत कम समय है, आज अभी दो तीन घंटे समय है। बोले, डल झील चलिए शिकारे में घूम लीजिए, वहां मैं ले चलता हूं। आकिब शिकारे पर ले गया, थोड़ा घुमा फिर छोड़ दिया, दूसरे मैंने दिन मीटिंग अटेंड की। 400 लोग उस मीटिंग हाल में थे। बहुत सारे कश्मीरी युवक व युवतियां थी। राष्ट्रगान हुआ, मैं बगल में बैठे हुए व्यक्ति से पूछ लिया। उसने जवाब दिया, पहले यहां बहुत सारे राष्ट्रगान में हिस्सा नहीं लेते थे। वह अलगाववादी थे। युवाओं को भ्रमित करते थे, लेकिन अब ऐसा नहीं है। सभी राष्ट्रगान में हिस्सा ले रहे हैं।

दूसरे दिन आकिब को फोन किया कि कल मुझे चले जाना है मुझे थोड़ा कल घुमा दीजिए। आकिब बोला सुबह 7:30 बजे आता हूं गुलबर्गा चलूंगा। यह सबसे सुंदर जगह है। आकिब सुबह आ गया, फिर मैं कुरेदा- कश्मीर को लेकर और क्या क्या करना चाहिए। आकिब ने कहा 370 समाप्त करके ठीक किया अब कोई भी कश्मीर में जमीन ले सकता है इससे उद्योग धंधा विकास तो होगा लेकिन हम कश्मीरियों को नौकरी देनी चाहिए। यहां के युवा पहले इतने पढ़े लिखे नहीं थे, उतने स्कूल कॉलेज भी नहीं थे। इस पर विचार करना चाहिए। बहुत बदलाव हो रहा है। सब कुछ सामान्य हो गया है।

गुलबर्ग से लौटते समय जाम लगा था, पता किया तो पानी आ गया था बारिश हो रही थी सड़क को लोग जाम किए हुए थे। आकिब ने मुझे लाल चौक दिखाया और इतना बोला की ये श्रीनगर का केंद्र स्थान है कभी यहां केवल धरना प्रदर्शन और गोली बारी होती रहती थी। देखिए सब कुछ शांत है। आकिब एयरपोर्ट पर छोड़ते हुए बोला, बातचीत या किसी भी तरह से मुझसे कोई गलती हुई तो मुझे माफ कीजिएगा और कश्मीर पुनः आइएगा। हम कश्मीरियों का दिल बहुत बड़ा होता है। खैर खिदमत के लिए हम सदैव तैयार हैं। इस बार मेरे घर रुकिएगा, मैं भी आकिब को न्योता दिया मेरे घर भी आइए।

(लेखक सामाजिक कार्यकर्ता व मानव सेवा संस्थान के निदेशक हैं) ■

मैंगो मलाई शेक

सामग्री- 4 पका हुआ आम, 1 कप कटा हुआ बादाम, 1 कप फ्रेश क्रीम, 3 कप दूध, गुलाव जल एक चम्मच, कटे हुए मेवे, चीनी स्वादानुसार, आइस क्यूब।

विधि- सबसे पहले आम को छिल कर उसके गूदे को अंगूर चीनी और दूध मिलाकर मिक्सर में अच्छे से पीस लें। अब कांच के गिलास में आइस क्यूब डालें। फिर आम का मिश्रण डालें। ऊपर से एक चम्मच गुलाव जल मिलाएं। चम्मच की सहायता से मिश्रण को अच्छे से मिलाएं। फिर सभी गिलास में एक-एक चम्मच फ्रेश क्रीम डालें। मेवे के कतरन को सभी मैंगो शेक के ऊपर सजाएं। तैयार हो गया मिक्स मैंगो मलाई शेक। मेहमानों को ठंडा -ठंडा सर्व करें।

■ अनिता घोष

मसाला कॉफी कुल्फी

सामग्री - 500 ग्राम मिल्क मेड, दो कप दूध, दो बड़ा चम्मच कॉफी पाउडर, एक चम्मच सौंफ, दो चम्मच कटा हुआ बादाम पिस्ता।

विधि- मसाला कॉफी कुल्फी बनाने के लिए सबसे पहले धीमी आंच पर पैन को रखें। इसमें सौंफ डालकर धीमें आंच में भून लें। भुना हुआ सौंफ एक प्लेट में निकाल कर ठंडा करने के लिए रखें। इसी पैन में बादाम और पिस्ता को भी रोस्ट कर लें ताकि यह क्रंची हो जाएं। बादाम पिस्ते के टुकड़ों को भी एक अलग प्लेट में निकाल लें। भुने हुए सौंफ को मिक्सी में चला लें। एक बड़े बाउल में मिल्क मेड, दूध, एक चम्मच सौंफ पाउडर, पिस्ता-बादाम और कॉफी मिलाएं। तैयार मिश्रण को अलग-अलग कुल्फी शेपर में रख कर 8-10 घंटा डीप फ्रिजर में रख दें। तय समय के बाद मोल्ड से निकालें और इस गर्मी में मसाला कॉफी कुल्फी का लुत्फ उठाएं। ■

बालों को स्टाइल करें

ब्यूटी

■ शहनाज हुसैन

फैशन बदलता रहता है इसलिए हेयर स्टाइलिंग के तरीके भी बदलते रहते हैं। अगर कर्ली या वेवी बालों का चलन है तो स्ट्रेट बालों वाले बालों को वेव या कर्ल करवाना चाहते हैं, जब स्ट्रेट बालों का फैशन होता है तो कर्ली बाल वाली सभी अपने बालों को स्ट्रेट करवाना चाहती हैं। बालों को स्टाइल करने और बालों की बनावट बदलने के लिए कई टूल्स और तरीके इस्तेमाल किए जाते हैं। सामान्य उपकरण ब्लो-ड्रायर है, जो बहुत से लोगों के घर में होता है। ब्लो ड्रायर न केवल धोने के बाद बालों को सुखाने में मदद करता है, बल्कि वेव या कर्ल में सेट करने और बालों का सीधा करता है। छोटे बालों को आसानी से स्टाइल में सेट करने के लिए ब्लो-ड्रायर का इस्तेमाल किया जा सकता है। बालों को अधिक घना और बाउंस भी दे सकता है। लंबे बालों के लिए, मुलायम, नेचुरल ब्रिसल्स वाले स्टाइलिंग ब्रश की जरूरत पड़ती है।

अगर बालों को कर्ल या वेव करना चाहते हैं तो बड़े या छोटे कर्ल बनाने के लिए रोलर्स का भी इस्तेमाल करें। बाल घुंघराले हैं तो बड़े रोलर्स का इस्तेमाल करें, सीधे बालों के लिए छोटे रोलर्स ठीक रहते हैं। रोलर्स का इस्तेमाल नम बालों में किया जाता है। बालों के छोटे-छोटे हिस्से लें और रोल करें। यह बालों को जल्दी सुखाता है और बेहतर प्रभाव देता है। सेटिंग के लिए बाल थोड़े नम होने चाहिए। बालों को वर्गों में विभाजित करें, उनमें क्लिप लगाएं ताकि एक समय में एक सेक्शन पर काम कर सकें। सिर के ऊपर के बालों पर बड़े-बड़े रोलर्स लगाएं ताकि ऊपर के बाल ज्यादा घने लगें। फुलनेस के लिए, बालों को टॉप पर चार वर्गों में बांटें। बालों को सुखाने से पहले, चार बड़े रोलर्स बोलों के चारों ओर लपेटें। इसके अलावा स्टाइलिंग टूल कर्लिंग वैंड का भी इस्तेमाल किया जा सकता है। यह बालों को कर्ली या वेवदार बनाने के लिए गर्मी बनाता है।

पर्मिंग ऐसा तरीका है, जिससे बाल कर्ली या वेवी हो जाते हैं, इसका असर लंबे समय तक बना रहता है। बालों को पर्म करने के लिए केमिकल लोशन का इस्तेमाल किया जाता है जो बालों की संरचना को बदल देता है। पर्म करने के बाद, हॉट ऑयल ट्रीटमेंट्स और कंडीशनिंग से बालों की नियमित देखभाल करें। स्टाइलिंग टूल्स और केमिकल हेयर स्ट्रेटनर के इस्तेमाल से भी बालों को सीधा किया जा सकता है। बालों को सीधा करने के लिए हेयर स्ट्रेटिनंग आयरन भी आती है। सीधे बालों में हीट लगाकर बालों को स्ट्रेट किया जाता है। आयरन में बालों के बड़े हिस्से के लिए चैड़ी प्लेटें होती हैं, बालों को सीधा रखने के लिए नायलॉन की कंघी अटैच हो सकती है। सिरेमिक बेहतर और अधिक महंगे हैं क्योंकि वे कम नुकसान पहुंचाते हैं। स्टाइलिंग आयरन के अत्यधिक इस्तेमाल से बाल रूखे हो जाते हैं, जिससे दोमुंहे बाल हो सकते हैं और बालों को काफी नुकसान होता है। बाल अपनी नेचुरल चमक भी खो देते हैं और रूखे व बेजान दिखने लगते हैं। रिबॉन्डिंग में भी हेयर स्ट्रेटिनंग आयरन का इस्तेमाल किया जाता है और बालों के छोटे-छोटे हिस्से लेकर उन्हें स्ट्रेट किया जाता है। कैमिकल सोल्यूशन्स भी लगाया जाता है।

हीट एप्लीकेशन और केमिकल लोशन से होने वाले नुकसान से बचने के लिए अपने बालों की नियमित देखभाल करें। हल्के शैंपू और एक्ट्रा-रीच कंडीशनर का इस्तेमाल करें। कैमिकल लगे बालों में सप्ताह में एक या दो बार डीप कंडीशनिंग ट्रीटमेंट करवाना चाहिए। बालों के सीरम के इस्तेमाल से चमक आती है और बाल सुरक्षित रहते हैं। हफ्ते में एक बार गुनगुना तेल लगाएं और हॉट टॉवल रैप करें। ■

घर से रूठे

यही है जिंदगी

■ क्षमा शर्मा

पिछले दिनों दिल्ली में ऐसी घटना हुई, जिसने ध्यान खींचा। एक परिवार में चार बच्चे थे। इनमें नौ साल की एक बच्ची भी थी। बच्ची को जब खाना परोसा गया, तो उसे सब्जी पसंद नहीं आई। उसने ढाबे से मनपसंद सब्जी लाने के लिए पैसे मांगे। लेकिन मां ने पैसे देने से मना कर दिया। बच्ची उठ खड़ी हुई। उसने खाना नहीं खाया। गुस्से में बाहर जाने लगी तो बहन ने रोकने का प्रयास किया मगर वह नहीं रुकी। जब वह देर तक नहीं लौटी तो घर वालों को चिंता हुई। उसे इधर-उधर ढूंढ़ा जाने लगा मगर वह कहीं नहीं मिली। घर वाले परेशान। सबसे पूछा लेकिन किसी को पता नहीं था। अंत में पुलिस में शिकायत की। बच्ची के अपहरण का अंदेशा भी जताया।

बच्ची का मामला था। पुलिस भी तत्परता से बच्ची को ढूंढने में जुट गई। सीसीटीवी खंगाले गए। लोगों से पूछताछ की गई। अंत में पुलिस ढूंढ़ते हुए घर से छह किलोमीटर दूर पार्क में पहुंची। बच्ची वहां बैठी मिली। उससे बातचीत की गई तो बच्ची ने सारी बात बताई। यह भी कहा कि उसके माता-पिता उसे प्यार नहीं करते हैं, अगर मनपसंद खाना नहीं मिला तो बच्ची के मन में यह बात आ गई कि घरवाले उसे प्यार नहीं करते। ऐसा सोच बच्ची के विकास के लिए ठीक नहीं है, यह सोचकर पुलिस ने उसकी काउंसलिंग भी कराई।

अच्छा खाना, अच्छे कपड़े, अच्छा रहन-सहन, मनमाफिक पॉकेट मनी, दोस्तों के साथ घूमने-फिरने, आने-जाने, फिल्म देखने मस्ती करने पर माता-पिता की की रोक-टोक भी बच्चों को पसंद नहीं आती। इससे उनके मन में यह भावना अकसर आ जाती है कि घर वालों को उनकी कोई परवाह नहीं है। जबकि देखा तो यह गया है कि अगर माता-पिता अपने बच्चों पर नजर न रखें तो बहुत बार वे ऐसे रास्तों पर चले जाते हैं, जहां से अपराध की दुनिया में कदम रखना बहुत आसान होता है। ड्रग्स का सेवन भी आम बात। ऐसे में बच्चों का लौटना, इस दुष्चक्र से निकलना बहुत मुश्किल होता है। माता-पिता भी क्या करें। बच्ची को अगर खाना पसंद नहीं आया था तो न जाने उसके कौन से कारण थे। चार बच्चों के लिए अलग-अलग उनकी पसंद का खाना बनाना क्या वाकई संभव है। क्या पता घर की आर्थिक स्थिति कैसी थी। हो सकता है मनपसंद खाना तो क्या दो जून का खाना जुटाना मुश्किल होता हो। ऐसे में यदि माता-पिता बच्ची की इच्छा पूरी न कर सके तो वह बुरा मान गई और घर से चली गई। अच्छा हुआ कि बहुत दूर नहीं गई थी। कितनी बार बच्चे घर वालों से रूठकर किसी बस या गाड़ी में बैठ जाते है। घर से इतनी दूर निकल जाते हैं कि लौट ही नहीं पाते। अपराधियों के चंगुल में फंस जाते हैं। भीख मांगने वाले गिरोह उन्हें पकड़ लेते हैं। बच्चों की तस्करी भी आम बात है। बच्चियों के लिए तो ऐसे हादसे और मुश्किल हैं। लड़की देखते ही अपराध की मनोवृत्ति और तेज गति से दौड़ती है।

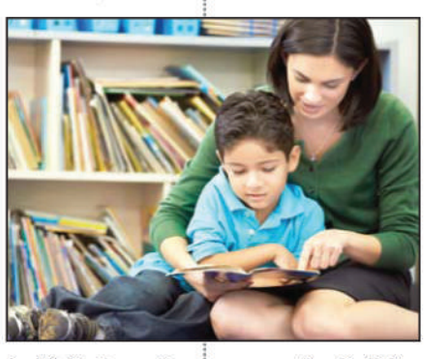

माता-पिता के लिए जरूरी है कि वे बच्चों को अपने घर की आर्थिक स्थिति के बारे में बताएं। घर की दालरोटी कैसे चलती है, साधनों का अभाव है, पैसे की कमी है, इसे बच्चों से न छिपाया जाए। तब शायद ही कोई बच्चा ऐसा कदम उठाएगा जैसा इस बच्ची ने उठाया कि अगर मनपसंद सब्जी नहीं मिली तो घर से चली गई। ऐसे ही मामूली कारणों से बहुत बच्चे अपना घर छोड़ देते हैं। उन्हें वक्त पर सही गाइडेंस मिले, समझाया, बुझाया जाए तो शायद ऐसा कभी न हो। ■

टैरो

ऋचा श्रीवास्तव

(3 मई - 9 मई)

मेष (21मार्च-20अप्रिल)- लक्ष्य प्राप्त करने और बड़ी सफलता पाने के लिए कौशल और क्षमताएं हैं। लगन एवं मेहनत से महत्वपूर्ण पेशेवर उपलब्धियां प्राप्त कर सकते हैं। करियर एवं वित्त के मामले में संतुलित होगा। वाणी पर संयम बनाए रखें और जो बोलते हैं, उसमें बहुत सावधान रहें। जीवनसाथी की जरूरतों का पूरा ध्यान रखें। धार्मिक कार्यों का आयोजन होगा।

वृषभ (21अप्रैल- 21मई)- विचारों में भिन्नता संबंधों के मध्य भ्रम की स्तिथि पैदा कर सकती है। स्वभाव में गुस्सा और चिढ़चिढ़ाहट आ सकता है। नौकरी-व्यवसाय में पूर्ण परिश्रम से किए गए कार्यों में लाभ प्राप्त होगा। पारिवारिक और दांपत्य जीवन में सुख शांति में कमी रहेगी। स्वास्थ्य के मामले में विशेष ध्यान रखने की जरूरत है।

मिथुन (22मई-21जून)- व्यापार में निर्णय परामर्श करके ही लें। धैर्य से काम लें। व्यापार में लाभ मिलेगा। खुशियां बाटेंगे। मित्रों और परिजनों के आतिथ्य सत्कार का आनंद लेंगे। व्यावसायिक उद्यमों में सफलता के लिए महत्वाकांक्षी और दृढ़ हैं। अधिकारी का सहयोग मिलेगा। भूमि ,घर, या किसी अन्य प्रॉपर्टी में निवेश कर सकते हैं, जिससे लाभ होगा। सेहत के प्रति लापरवाह ना रहें।

कर्क (22जुडे-22जुलाई)- छोटे मोटे उतार चढ़ाव लगे रहेंगे। सहकर्मियों एवं वरिष्ठ अधिकारियों के साथ स्वस्थ सम्बन्ध रखें। कार्य पर ध्यान केंद्रित करें। निर्णय लेते समय भावनाओं को शामिल न करें। परिवार आवश्यक होगा और आप उनके प्रति बहुत सुरक्षात्मक होंगे। भावनाओं और विचारों को अपने तक सीमित न रखें। राय खुलकर रखें। प्रियजनों या पारिवारिक जिम्मेदारियों की देखभाल करने के लिए खुद को नजर अंदाज ना करें।

सिंह (23जुलाई -21अगस्त)- स्वाभाव में उग्रता रहेगी और उदास महसूस करेंगे। समायोजन लगभग हर स्तर पर आवश्यक है। चीजों को प्राकृतिक प्रक्रिया के साथ हस्तक्षेप से बचने की जरु रत है। फिजूलखर्चो से बचें। जीवनसाथी अथवा साझेदार से मनमुटाव हो सकता है। जीवन के लिए दृष्टिकोण में व्यवहारिक बनने की कोशिश करें। रुके हुए कार्य पूर्ण होने में थोड़ा वक्त और लग सकता है। योग अथवा व्यायाम अपनाएं।

कन्या (22अगस्त-23सितम्बर)- पेशेवर जीवन में संतुष्टि महसूस होगी। सभी प्रयासों से शुभ परिणाम हासिल होंगे। करियर में बदलाव के लिए समय शुभ है। यदि फिजूलखर्ची पर लगाम लगा लेते हैं तो आर्थिक पक्ष के लिहाज से भी समय अनुकूल रहेगा। वित्तीय निवेश करते समय सावधानी बरतें। जो बीमार चल रहे हैं उनकी सेहत में सुधार देखने को मिलेगा।

तुला(24सितम्बर-23अक्टूबर)- संतुलन की जरु रत है। परिवर्तन का समय है। कुछ नया करने में ऊर्जा लगाएं। नेचर में समय बिताएं। काम पर ध्यान दें। जुनून को कुछ नया करने में लगाएं। वाहन सावधानीपूर्वक चलाएं। जीवनसाथी के साथ समय बिताएं और यात्रा का भी योग है। विद्यार्थी वर्ग को मेहनत करने की आवश्यकता है।

वृश्चिक (24अक्टूबर-22नवंबर)- जीवनसाथी के साथ मतभेद हो सकता है। पति पत्नी एक दूसरे के साथ समय बिताने की कोशिश करें, बिखर चुकी चीजों को संगठित करने में ऊर्जा लगाएं। सेहत के लिए समय अनुकूल नहीं है। हड़बड़ी में कोई फैसला न लें। आर्थिक निवेश के लिए समय अनुकूल नहीं है।

धनु (23नवम्बर- 22दिसम्बर)- इच्छा शक्ति को मजबूत करें और आगे बढ़ें। यात्रा का भी योग है। योग्यता पर विश्वास करें और नई योजनाओं पर अमल करें। संगीत सुने, ऊर्जा मिलेगी। विवाह के योग बन रहे हैं। जीवनसाथी के साथ संबंध मधुर होंगे।

मकर (23दिसम्बर-20जनवरी)- क्षमता दिखाने के लिए कई अवसर मिलेंगे। कड़ी मेहनत, ईमानदारी पर निश्चित रूप से ध्यान दिया जाएगा। लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए रणनीति तैयार करें। जरु रत पड़ने पर दूसरों से समर्थन लें। ऑफिस की राजनीति से दूर रहें। ऊर्जा को केवल काम पर केंद्रित करें। परिवार बहुत सहयोगी होगा। स्वास्थ्य की उपेक्षा न करें। आर्थिक निवेश के प्रति सावधान रहें।

कुम्भ (21 जनवरी-19फ़रवरी)- समय अधिक अनुकूल नहीं है इसीलिए सीमित दायरे में रखें। कोई जोखिम नहीं लें। सहयोगियों और मित्रों के साथ सौहाद्रपूर्ण सम्बन्ध बनाए रखें। जीवनसाथी के साथ जीवन सुखमय होगा। किसी भी नए कार्य को करने से पूर्व जानकारी ले लें। आर्थिक निवेश के प्रति सतर्क रहें।

मीन (20फरवरी-20मार्च)- व्यावहारिक होने की जरु रत है। तनाव को बढ़ने न दें। प्रतिदिन व्यायाम करें। बदलाव से घबराएं नहीं उसका स्वागत करें। जीवनसाथी के साथ संबंध मधुर होंगे। नौकरी व्यवसाय में पूर्ण परिश्रम से किए गए कार्यों में लाभ प्राप्त होगा। भौतिक सुख साधनों में वृद्धि होगी। ■

15,000 लोगों ने किया योगाभ्यास

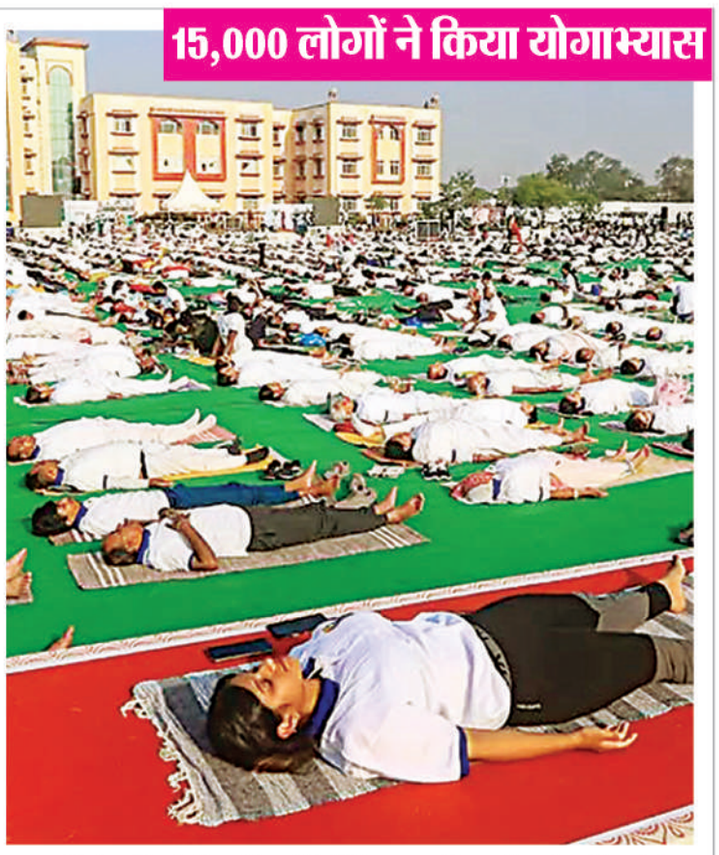

जयपुर में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की उलटी गिनती के तहत आयोजित कार्यक्रम योग महोत्सव में पंद्रह हजार लोगों ने योग किया। राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा योग कोई थेरेपी भर नहीं है बल्कि आत्मविकास का सबसे बड़ा माध्यम है। मानसिक शांति एवं संतोष के लिए सर्वथा उपयोगी है।

कर्नाटक: कांग्रेस ने जारी किया घोषणा पत्र, महिला यात्रा मुफ्त

कानून-संविधान पवित्र, विहिप और पीएफआई न करें उल्लंघन

शिवमोगा, (एजेंसी)। कर्नाटक चुनाव के लिए कांग्रेस का घोषणा पत्र जारी किया गया है। इसमें परिवार की महिला मुखिया को हर माह 2,000 रुपए मिलेंगे। कर्नाटक चुनाव के लिए 10 मई को वोटिंग होगी। भाजपा के घोषणा पत्र के बाद मंगलवार को कर्नाटक चुनाव के लिए कांग्रेस पार्टी ने अपना घोषणा पत्र जारी किया। इस घोषणा पत्र को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने जारी किया। इस अवसर पर डीके शिवकुमार व सिद्धारमैया भी मौजूद थे।

संकल्प पत्र जारी करते हुए कांग्रेस पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि नफरती संगठनों पर कार्रवाई की जाएगी। हम मानते हैं कि कानून और संविधान पवित्र हैं। बजरंग दल और पीएफआई जैसे संगठनों द्वारा इसका उल्लंघन नहीं किया जा सकता है। कांग्रेस ने अपने मेनिफेस्टो में घोषणा की है कि उनकी सरकार 200 यूनिट मुफ्त बिजली देगी। परिवार की प्रत्येक महिला मुखिया को हर महीने 2,000 रुपए दिए जाएंगे। बेरोजगार स्नातकों को दो साल के लिए 3,000 प्रतिमाह और बेरोजगार डिप्लोमा धारकों को 1,500 रुपए प्रतिमाह दिए जाएंगे। नियमित बसों में सभी महिलाओं के लिए यात्रा मुफ्त की जाएगी। कांग्रेस ने प्रतिबंधित इस्लामिक संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) की तुलना संघ से जुड़े विश्व हिंदू परिषद की युवा शाखा बजरंग दल से करते हुए कहा कि वह ऐसे संगठनों पर प्रतिबंध लगाएगी।

घोषणा पत्र में कांग्रेस के वादे

- गृह ज्योति योजना में सभी को 200 यूनिट मुफ्त बिजली।
- अन्ना भाग्य योजना के तहत पसंद का 10 किलो अनाज।
- गुरु लक्ष्मी योजना में परिवार की प्रत्येक महिला मुखिया को हर माह 2,000 रुपए।
- शक्ति योजना के तहत महिलाओं के लिए बस यात्रा फ्री
- युवा निधि योजना के तहत बेरोजगार स्नातकों को 02 साल के लिए 3,000 रुपए प्रतिमाह और बेरोजगार डिप्लोमा धारकों को 1,500 प्रतिमाह।

श्रीराम के बाद बजरंग बली को भी करना चाहते हैं कैद

प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस के जारी घोषणा पत्र पर बोला हमला

बेंगलुरु, (एजेंसी)। कर्नाटक चुनाव को लेकर कांग्रेस के जारी घोषणा पत्र पर पीएम मोदी ने हमला बोला है। कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र में बजरंग दल और पीएफआई पर बैन लगाने की बात कही है। पीएम मोदी ने कर्नाटक के होसपेट जिले की रैली में कहा कि कांग्रेस बजरंग बली को कैद करना चाहती है। अब कांग्रेस को बजरंग बली से भी दिक्कत हो रही है।

मोदी ने कहा कि कांग्रेस ने ही प्रभु श्री राम को ताले में बंद करने का काम किया था। इससे पहले मोदी ने चित्रदुर्ग की रैली में कांग्रेस और जेडीएस दोनों पर हमला बोलते हुए कर्नाटक की अनदेखी करने का आरोप लगाया।

याद दिलाया बाटला हाउस एनकाउंटर

चित्रदुर्ग की रैली के बीच पीएम मोदी ने कांग्रेस को बाटला हाउस एनकाउंटर की याद दिला दी। मोदी ने कहा कि कांग्रेस का आतंक और आतंकवाद से पुराना रिश्ता रहा है। पीएम मोदी रैली के दौरान कांग्रेस पर जमकर हमलावर दिखे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का इतिहास आतंक और आतंकवादियों के तुष्टिकरण का है। जब दिल्ली में बाटला हाउस एनकाउंटर हुआ तो कांग्रेस की सबसे बड़ी नेता के आंखों में आतंकियों के मर जाने की खबर सुनकर आंसू आ गए थे। मोदी ने कहा कि जब सर्जिकल स्ट्राइक और एयरस्ट्राइक हुई तो कांग्रेस ने देश की सेनाओं के सामर्थ्य पर ही सवाल खड़ा कर दिया।

दिल्ली से भेजी डेढ़ लाख की बिल्ली हो गई गुम

बुलंदशहर , (एजेंसी)। यूपी के बुलंदशहर में गुम हुई एक बिल्ली की शिकायत एसएसपी से की गई है। बिल्ली के मालिक ने बताया कि उसने बिल्ली को बुलंदशहर से हैदराबाद भेजा था, लेकिन 02 माह बीत जाने के बाद भी ट्रांसपोर्ट कंपनी बिल्ली के बारे में कोई जानकारी नहीं दे पा रही है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक बुलंदशहर के रहने वाले मोहम्मद आलम ने हैदराबाद के एक शख्स को डेढ़ लाख रुपए में बिल्ली बेची थी, जिसे दिल्ली से हैदराबाद भेजा जाना था लेकिन अब तक बिल्ली हैदराबाद नहीं पहुंची। दो माह बीत जाने के बाद ट्रांसपोर्ट कंपनी बिल्ली की कोई जानकारी नहीं दे रही है। बिल्ली के मालिक ने एसएसपी को शिकायती पत्र भेजा।

ईडी की जांच में आया राघव चड्ढा का नाम

नई दिल्ली, (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी (आप) के वरिष्ठ नेता एवं राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा का नाम प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की जांच में नाम आया है। वहीं राघव चड्ढा ने कहा कि यह खबर सरासर गलत और राजनीति से प्रेरित है। श्री चड्ढा ने मंगलवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा कि सुबह से न्यूज चैनलों, बेवसाइट या अखबारों के माध्यम से जो भी न्यूज रिपोर्ट की जा रही है वह पूरी तरह गलत और प्रेरित है। स्पष्ट करते हुए कहा कि उनका नाम ईडी की किसी भी शिकायत में आरोपी या संदिग्ध व्यक्ति के तौर पर कहीं नहीं है। इसके बावजूद सुबह से न्यूज चैनलों के जरिए पूरे देशभर में प्रचार किया जा रहा कि ईडी ने चार्जशीट में आरोपी के तौर पर उनका नाम शामिल कर कोर्ट में दायर किया है।

तिहाड़ में गैंगस्टर टिल्लू ताजपुरिया की हुई हत्या

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली की तिहाड़ जेल में गैंगवार हुआ है। गैंगवार में गैंगस्टर टिल्लू ताजपुरिया (33) की हत्या हुई है। टिल्लू की हत्या से दिल्ली पुलिस में हड़कंप मचा है। टिल्लू ताजपुरिया उर्फ सुनील मान पर अपने विरोधी गैंगस्टर जितेंद्र गोगी की हत्या समेत अन्य कई आपराधिक वारदातों को अंजाम देने का आरोप था। टिल्लू ताजपुरिया पहले दिल्ली की मंडोली जेल में बंद था, हालांकि जितेंद्र गोगी की हत्या के बाद उसे तिहाड़ जेल में शिफ्ट किया था। गया था। जेल के अंदर से ही टिल्लू ताजपुरिया जरायम की दुनिया का काम संभालता था। विरोधी गैंग के चार सदस्यों ने किया हमला: तिहाड़ जेल की हाई रिस्क वार्ड में ग्राउंड फ्लोर पर टिल्लू ताजपुरिया बंद था। टिल्लू पर सुबह करीब सवा छह बजे जेल में ही बंद चार बदमाशों दीपक उर्फ तीतर, योगेश उर्फ टुंडा, राजेंद्र और रियाज खान ने सुए से हमला किया था। बताया जाता है कि हमलावर चारों ने लोहे की रॉड से सुआ बना रखा था। जेल प्रशासन घायल अवस्था में टिल्लू को अस्पताल ले गया था। यहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। हत्या की जिम्मेदारी गैंगस्टर गोल्डी बराड़ ने ली है। गैंगस्टर गोल्डी ने एफबी पर पोस्ट करके कबूल किया है कि उसने ही टिल्लू की हत्या कराई है। उसने लिखा कि आज जो दिल्ली की तिहाड़ जेल में टिल्लू ताजपुरिया का मर्डर हुआ है। वो हमारे भाई ने योगेश टुंडा और दीपक तीतर ने किया है। गोगी मान भाई के नुकसान में टिल्लू ने जिम्मेदारी ली थी और ये शुरू से ही हमारे भाइयों का दुश्मन था।

कांग्रेस नेता डीके के चॉपर से टकराया बाज, इमरजेंसी लैंडिंग

हादसे में कॉकपिट का शीशा टूटा

बेंगलुरु, (एजेंसी)। कर्नाटक विधानसभा चुनाव के प्रचार में जुटे कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष डीके शिवकुमार के चॉपर की इमरजेंसी लैंडिंग हुई है। दरअसल उनके चॉपर के कॉकपिट से एक पक्षी के टकराने की वजह से विंड शील्ड टूट गई और चॉपर की इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष डीके शिवकुमार के चॉपर की बेंगलुरु के एचएएल एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई है। दरअसल चॉपर ने मंगलवार को दोपहर 12 बजे उड़ान भरी थी और यह कोलार के पास मुलबागिलु की ओर जा रहा था। जब चॉपर एलएएच से 40 किलोमीटर दूर होसकोटे के पास हवा में था, उसी दौरान चॉपर के कॉकपिट से बाज टकरा गया, जिसमें चॉपर का शीशा टूट गया और उसकी इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई।

कर्नाटक चुनाव के लिए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, पूर्व सीएम सिद्धारमैया और प्रदेश अध्यक्ष डीके शिवकुमार की मौजूदगी में जारी हुए घोषणा पत्र को लेकर भाजपा, कांग्रेस पर हमलावर हो गई है।

भारत और आसियान नौसेनाओं के लिए मिल कर काम करने का मौका: कुमार

सिंगापुर, (एजेंसी)। नौसेना प्रमुख एडमिरल हरि कुमार ने मंगलवार को कहा कि पहला आसियान-भारत समुद्री अभ्यास (एआईएमई) भारतीय नौसेना और आसियान (दक्षिण पूर्वी एशियाई राष्ट्रों के संगठन) नौसेनाओं को एक साथ मिलकर निकटता से काम करने और समुद्री क्षेत्र में अभियानों के निर्बाध संचालन का अवसर प्रदान करेगा। भारतीय नौसेना के चीफ ऑफ नेवल स्टाफ एडमिरल कुमार ने कहा कि एआईएमई की शुरुआत बड़े पैमाने पर सीखने का एक अनुभव है और यह इसमें भाग लेने वाली नौसेनाओं के बीच विश्वास पैदा करेगा। पहले एआईएमई के लिए सिंगापुर में मौजूद एडमिरल ने कहा कि इन अभ्यासों का अहम परिणाम विभिन्न भागीदारों के बीच भरोसा पैदा होना है।

इस नौसैन्य अभ्यास में आसियान सदस्य देशों एवं भारत के नौ पोत, छह विमान और 1,800 से अधिक कर्मी भाग ले रहे हैं। भारतीय नौसेना दक्षिण चीन सागर में समुद्री अभ्यास करेगी, जहां पिछले कुछ साल से चीन की सैन्य आक्रामकता देखी जा रही है।एडमिरल कुमार ने मंगलवार को एजेंसी से कहा कि हम आसियान देशों के साथ द्विपक्षीय और बहुपक्षीय अभ्यास करते रहे हैं, लेकिन ऐसा पहली बार है, जब हम आसियान के सभी सदस्य देशों की नौसेनाओं से मिलकर एक बड़ा अभ्यास कर रहे हैं।

समुद्री चरण सात से आठ मई तक दक्षिण चीन सागर में होगा

यह बहुत महत्वपूर्ण अभ्यास है, लेकिन यह वार्षिक आधार पर नहीं होगा, क्योंकि विभिन्न देशों के बीच पहले से ही विभिन्न कार्यक्रम हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि 'लेकिन हम इसे दो या तीन साल में एक बार होने वाले अभ्यास के रूप में आगे बढ़ाएंगे। हर बार जब कोई अभ्यास किया जाता है तो उसमें कुछ मूल्यवान सीखने को मिलता है, इसलिए ये अभ्यास बहुत महत्वपूर्ण हैं। एडमिरल कुमार एआईएमई में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं, जो दो मई से आठ मई तक आयोजित होगा। अभ्यास का बंदरगाह चरण दो मई से चार मई तक चांगी नौसेना केंद्र में आयोजित किया जाना है, जबकि समुद्री चरण सात से आठ मई तक दक्षिण चीन सागर में आयोजित किया जाएगा। सिंगापुर पहुंचे दो भारतीय पोतों के नाम आईएनएस सतपुड़ा और आईएनएस दिल्ली हैं।

केंद्र और गुजरात सरकार दोषियों से जुड़ी फाइल सुप्रीम कोर्ट में पेश करने को तैयार

बिलकिस बानो मामले में सुनवाई नौ मई को होगी

अहमदाबाद, (एजेंसी)। बिलकिस बानो केस में सरकार ने एक तरह से यू-टर्न ले लिया है। वह सभी मूल दस्तावेज सुप्रीम कोर्ट में जमा करने को तैयार है। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को बिलकिस बानो केस में सुनवाई को 9 मई तक के लिए टाल दिया है।

2002 में गुजरात दंगों के दौरान बिलकिस बानो के गैंगरेप और उसके परिवार के सदस्यों की हत्या के मामले में 11 दोषियों की रिहाई को चुनौती देने वाली कई याचिकाओं पर सर्वोच्च अदालत सुनवाई कर रही है। इन दोषियों को पिछले साल रिहा किया गया था।

इस मामले में सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता केंद्र और गुजरात सरकार की ओर से सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस केएम जोसेफ और जस्टिस बीवी नागरत्ना की बेंच के सामने पेश हुए। एसजी ने अदालत से कहा कि उनकी ओर से किसी विशेषाधिकार का दावा नहीं किया जा रहा है और अदालत के 27 मार्च के आदेश को लेकर कोई पुनर्विचार याचिका नहीं दर्ज किया जा रहा है।

महिला की आंख के नीचे सबसे छोटा स्किन कैंसर

वाशिंगटन, (एजेंसी)। अमेरिका में डर्मेटोलॉजिस्ट ने दुनिया के सबसे छोटे स्किन कैंसर का पता लगाया है, जिसका मेजरमेंट सिर्फ 0.65 मिमी है। यह आश्चर्यजनक खोज तब की गई जब एक महिला स्किन केयर स्पेशलिस्ट के पास गई। सालों से उनकी आंख के नीचे एक लाल रंग का धब्बा था। इसे लेकर वह काफी परेशान थीं।

क्रिस्टी स्टैट्स के स्कीन की जांच करते समय त्वचा विशेषज्ञ ने उनके दाहिने गाल पर एक धब्बा देखा। यह छोटा स्पॉट इंसानी आंखों से नहीं देखा जा सकता था। ओरेगन हेल्थ एंड साइंस यूनिवर्सिटी (ओएचएसयू) के विशेषज्ञों ने जांच के बाद में मेलेनोमा त्वचा कैंसर के सबसे घातक प्रकार के रूप को डिटेक्ट किया। क्रिस्टी स्टैट्स ने कहा कि कोविड के दौरान मैंने अपने हेल्थ पर थोड़ा और फोकस करना शुरू कर दिया। मेरे बाथरूम में एक मेग्निफाइंग लेंस में देखा कि स्पॉट और बड़ा होता जा रहा था।

ऑपरेशन कावेरी में 3,195 भारतीय सुरक्षित निकाले

नई दिल्ली/खार्तूम, (एजेंसी)। भारत ने अब तक हिंसाग्रस्त सूडान से 3,195 भारतीयों को निकाला है और उन्हें 60 से अधिक बसों में खार्तूम से सूडान बंदरगाह तक 850 किलोमीटर से अधिक की दूरी तय करके पहुंचाया है। सूडान में भारतीय दूतावास ने ऑपरेशन कावेरी का अवलोकन करते हुए कहा कि ऑपरेशन में अब तक भारतीय नौसेना के पांच जहाजों और भारतीय वायु सेना के 13 विमानों का इस्तेमाल किया गया है।

खार्तूम में चल रही लड़ाई के मद्देनजर दूतावास, जिसे बुधवार कोअस्थायी रूप से सूडान के बंदरगाह पर स्थानांतरित कर दिया गया था, ने ट्वीट्स की एक श्रृंखला में यह जानकारी दी। ऑपरेशन कावेरी का आठवां दिनः कि खार्तूम और सूडान के अन्य हिस्सों में संघर्ष 15 अप्रैल 2023 को शुरू हुआ। भारत सरकार ने'ऑपरेशन कावेरी'शुरू किया और सूडान में फंसे भारतीयों को निकाला।

आज का इतिहास

- **1765:** फिलाडेल्फिया में पहला अमेरिकी मेडिकल कॉलेज खुला।
- **1845:** चीन के कैंटन में थियेटर में आग लगने से 1600 लोगों की मौत।
- **1896:** भारत के पूर्व रक्षा मंत्री वीके कृष्ण मेनन का जन्म।
- **1913:** पहली भारतीय फीचर फिल्म राजा हरिशचंद्र प्रदर्शित हुई।
- **1919:** अमानुल्ला खान द्वारा ब्रिटिश भारत पर आक्रमण जिससे ऐंग्लो-अफगान युद्ध की शुरुआत हुई।
- **1951:** प्रसिद्ध राजनीतिज्ञ अशोक गहलोत का जन्म
- **1955:** प्रसिद्ध राजनीतिज्ञ उमा भारती का जन्म
- **1961:** कमांडर ऐलन शेपर्ड अंतरिक्ष में जाने वाले पहले अमेरिकी यात्री बने।

पाक में बारिश से जुड़ी घटनाओं में कम से कम 14 लोगों की मौत

पाकिस्तान। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में एक जीप के नदी में गिर जाने के बाद लापता हुए आठ पर्यटकों को बचावकर्मियों ने तीन दिन बाद मृत घोषित कर दिया है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी देते हुए बताया किकाफी खोजबीन के बाद भी इन पर्यटकों का कोई पता नहीं चला। एक स्थानीय पुलिस अधिकारी खालिद अजीज ने बताया कि यह घटना रविवार को हिमालयी क्षेत्र के विवादित नीलम घाटी जिले में हुई। अधिकारी ने बताया कि शुरूआत में इस घटना में एक पर्यटक की मौत हुई और पांच अन्य पर्यटक घायल हो गए थे, जबकि बाद में पुलिस को पता चला कि हादसे में आठ पर्यटक लापता हैं। उन्होंने बताया कि नदी की तेज बहाव के कारण उनके जीवित होने की कोई उम्मीद नहीं है। गौरतलब है कि पाकिस्तान के विभिन्न हिस्सों में शनिवार को भारी बारिश के बाद पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में मारे गए नौ पर्यटकों सहित कम से कम 14 लोगों की मौत हो गई है। इनमें दक्षिण-पश्चिमी बलूचिस्तान प्रांत में कम से कम चार लोगों की मौत तथा कराची में एक लड़के की मौत भी शामिल है। बाद में प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने अलर्ट जारी किया और आपदा प्रबंधन अधिकारियों को लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सतर्क रहने के लिए कहा। उन्होंने राजमार्ग अधिकारियों को भी सतर्क रहने के लिए कहा, क्योंकि बारिश के कारण हुए भूस्खलन की वजह से सप्ताहांत में कुछ सड़कें, कुछ समय के लिए अवरुद्ध हो गई थीं।

Filmi तड़का

प्रियंका चोपड़ा से लेकर आलिया भट्ट ने मेट गाला में ढाया कहर, लूटी महफिल

न्यूयॉर्क में आयोजित मेट गाला में प्रियंका चोपड़ा जबरदस्त अंदाज में नजर आईं। वहीं आलिया भट्ट व्हाइट ड्रेस में काफी खूबसूरत नजर आ रही थीं।देसी गर्ल प्रियंका चोपड़ा, आलिया भट्ट से लेकर कई बॉलीवुड की हस्तियों ने मेट गाला 2023 के रेड कार्पेट पर अपना जलवा दिखाया है। प्रियंका चोपड़ा अपने पति निक जोनस के साथ रेड कार्पेट पर नजर आईं जबकि आलिया भट्ट ने अपनी खूबसूरती और जबरदस्त अंदाज से हर किसी का दिल जीत लिया। आलिया भट्ट मेट गाला में एंजेल लुक में नजर आईं। उनकी बहन शाहीन भट्ट ने आलिया के रेड कार्पेट लुक को इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। आलिया की तस्वीर को शेयर करते हुए शाहीन ने लिखा परी। बता दें कि आलिया इस साल पहली बार मेट गाला इवेंट में शिरकत कर रही हैं। मेट गाला में निक जोनास ब्लैक लेदर की जैकेट में नजर आएं जबकि प्रियंका चोपड़ा खूबसूरत ब्लैक ड्रेस में 11 कैरेट के डायमंड नेकलेस में नजर आईं। बता दें कि मेट गाला में प्रियंका चोपड़ा ने 2017 में अपनी शुरुआत की थी। मेट गाला की बात करें तो यह दुनिया का सबसे लोकप्रिय फैशन कार्यक्रम है, जोकि इस बार 1 मई को हो रहा है। इस कार्यक्रम में दुनियाभर की हस्तियां शामिल होती हैं। मेट गाला को न्यूयॉर्क में आयोजित किया जाता है। मेट गाला कि शुरुआत मेट्रोपॉलिटन म्यूजियम ऑफ आर्ट में स्थित कास्ट्यूम इंस्टिट्यूट को मदद के लिए शुरू किया गया था। इसकी शुरुआत एना विंटोर ने फंड इकट्ठा करने के लिए की थी। इसमे अलग-अलग क्षेत्र से जुड़ी हस्तियां शामिल होती हैं।

उर्फी जावेद ने इंस्टाग्राम पर अपनी नई ड्रेस में तस्वीरें शेयर कीं

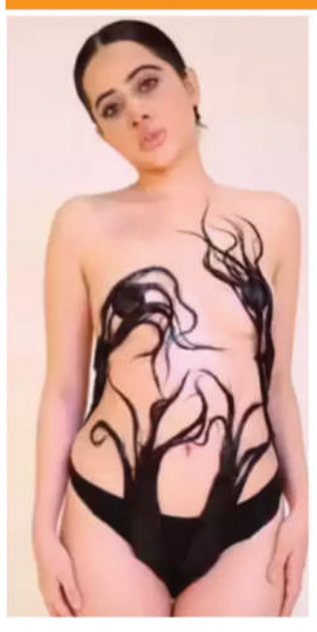

बालों से बनाई रिवीलिंग ड्रेस

टीवी अदाकारा उर्फी जावेद ने इंस्टाग्राम पर अपनी नई ड्रेस में तस्वीरें शेयर की हैं। उर्फी जावेद ने इस बार अपनी ड्रेस बालों से बनाई है। लोगों के बीच उर्फी जावेद की इस ड्रेस की काफी चर्चा है। अदाकारा उर्फी जावेद हमेशा से अपनी ड्रेसेस की वजह से लोगों के बीच चर्चा में रही हैं। वो किसी भी चीज की ड्रेस बना सकती हैं। ऐसा हुनर सिर्फ और सिर्फ उर्फी जावेद के ही पास है। उनके अलावा किसी के पास ऐसा हुनर नहीं है। उर्फी जावेद ने इस बार बालों से ड्रेस बना डाली है। आइए हम आपको उर्फी जावेद की इस अतरंगी ड्रेस के दर्शन कराते हैं, जिसे देखकर आप सिर पकड़ने को मजबूर हो जाएंगे। बालों से बनी इस ड्रेस में उर्फी जावेद ने कातिलाना फोटोशूट कराया, जिसमें वो काफी सेक्सी लग रही हैं। उन्हें देखकर लोगों का दिल धड़क उठा है।

फाइनली! इस महीने सगाई करने वाले हैं परिणीति चोपड़ा-राघव चड्ढा

परिणीति चोपड़ा और राघव चड्ढा की शादी का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। लेकिन अब जल्द ही फैंस का ये इंतजार खत्म होने वाला है। बॉलीवुड एक्ट्रेस परिणीति चोपड़ा का नाम इन दिनों आप नेता राघव चड्ढा के साथ जोड़ा जा रहा है। दोनों की शादी का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। ताजा रिपोर्ट के मुताबिक अब ये इंतजार जल्द ही खत्म होने वाला है। बॉलीवुड एक्ट्रेस परिणीति चोपड़ा इन दिनों अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में हैं। लंबे समय से एक्ट्रेस का नाम आप नेता राघव चड्ढा के साथ जोड़ा जा रहा है। दोनों को अब तक कई बार एयरपोर्ट पर साथ में स्पॉट किया जा चुका है। हालांकि अभी तक इस मामले में कपल ने चुप्पी साधी हुई है।

द केरल स्टोरी पर चली सेंसर बोर्ड की कैंची, बदले डायलॉग्स, हटाए 10 सीन

द केरल स्टोरी को लेकर छिड़ी बहस के बीच फिल्म के निर्देशक, प्रोड्यूसर और एक्ट्रेस अदा शर्मा ने लोगों से फिल्म देखने की अपील की है। फिल्म निर्देशक सुदीप्तो सेन ने कहा, फिल्म बनाने से पहले मैंने काफी रिसर्च की है. यह राज्य के खिलाफ नहीं, बल्कि आतंकवाद के खिलाफ है। द केरल स्टोरी रिलीज से पहले ही विवादों में आ चुकी है। फिल्म पर केरल में भी विवाद हो रहा है। कई राजनीतिक पार्टियां फिल्म का विरोध कर रही हैं। द केरल स्टोरी को लेकर मचे घमासान के बीच सेंसर बोर्ड की ओर इसे सर्टिफिकेट दे दिया गया है पर इसके साथ ही फिल्म से दस कंट्रोवर्शियल सीन हटवा दिए गए हैं।

लखनऊ-बेंगलुरु मैच के दौरान एक बार फिर भिड़े कोहली और गंभीर

आईपीएल की आचार संहिता का उल्लंघन करने के लिए मैच फीस का 100 प्रतिशत जुर्माना लगा

लखनऊ। बेंगलुरु की लखनऊ पर जीत के बाद लखनऊ सुपर जायंट्स के मेंटर गौतम गंभीर और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के सलामी बल्लेबाज विराट कोहली के बीच एक बार फिर तीखी नोक-झोक देखने को मिली। दिल्ली के दोनों क्रिकेटरों की प्रतिद्वंदिता एक दशक पुरानी है। आईपीएल 2013 में भी कोहली और गंभीर के बीच मैच के दौरान मैदान पर नोक-झोंक हुई थी।

इकाना स्टेडियम पर सोमवार दोनों के बीच बात इतनी बढ़ गयी की सुपर जायंट्स के अमित मिश्रा, सहायक कोच विजय दहिया और आरसीबी के कप्तान फाफ डु प्लेसिस को बीच बचाव के लिए आना पड़ा। दोनों खिलाड़ियों पर आईपीएल की आचार संहिता का उल्लंघन करने के लिए मैच फीस का 100 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। इसी बीच, सुपर जायंट्स के तेज गेंदबाज नवीन-उल-हक पर भी उनकी मैच फीस का 50 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया। यह पूरा माजरा विराट और नवीन अल हक की तकरार के साथ ही शुरू हुआ था। मैच के आखिरी पलों में नवीन और विराट के बीच कहासुनी हुई और फिर अमित मिश्रा बीच-बचाव में उतरे तो विराट ने इस सीनियर स्पिनर से भी सख्त लहजे में बात की। बात यहीं पर खत्म नहीं हुई। मैच के बाद जब विराट और नवीन हैंडशेक के दौरान आपस में टकराए, तब फिर दोनों के बीच कुछ बहस हुई। बस इसी के बाद गौतम गंभीर भी इस लड़ाई में कूद गए और विराट कोहली से उनकी खूब बहस हुई।

कोहली ने लिया पिछले मैच का बदला

इस मुकाबले में विराट शुरुआत से ही ओवर एग्रेसिव नजर आ रहे थे। संभवत: जिस तरह से गौतम गंभीर ने बेंगलुरु में हुए पिछले मुकाबले में लखनऊ की जीत के बाद बेंगलुरु के फैंस को चुप कराया था, कुछ हद तक यह उसी का असर था। विराट ने मैच के दौरान ही गौतम गंभीर जैसा इशारा कर पलटवार शुरू कर दिया था। धीरे-धीरे माहौल गरमाता गया। एक वीडियो में यह भी नजर आया कि जब विराट कोहली लखनऊ के कप्तान केएल राहुल से बात कर रहे थे तो केएल ने नवीन को भी बुलाया लेकिन नवीन ने विराट के साथ बात करने से साफ इनकार कर दिया।

सोशल मीडिया पर भी कोल्ड वॉर

बेंगलुरु और लखनऊ के मैच के बाद हुआ विवाद मंगलवार को पूरे दिन सोशल मीडिया पर छाया रहा। विराट कोहली ने सोशल मीडिया पर अपनी बात रखी है, वहीं नवीन-उल-हक ने भी अपना पक्ष बयां किया है। विराट कोहली ने सोशल मीडिया पर लिखा है, हम जो कुछ भी सुनते हैं, वह एक राय होती है, तथ्य नहीं। हम जो कुछ भी देखते हैं, वह एक नजरिया होता है, सच नहीं। इसके ठीक दो घंटे बाद नवीन-उल-हक ने भी सोशल मीडिया पर लिखा है, आपको वही मिलता है जिसकी आप काबिलियत रखते हैं। ऐसा ही होना भी चाहिए और ऐसा ही होता भी है।

कोहली को फाइन के रूप में चुकाने होंगे 1.07 करोड़ रुपए

गंभीर और कोहली पर मैच के दौरान आईपीएल की आचार संहिता का उल्लंघन करने के लिए मैच फीस का 100 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। आईपीएल कमेटी ने मंगलवार को कहा कि गंभीर और कोहली ने आईपीएल आचार संहिता के अनुच्छेद 2.21 के तहत द्वितीय श्रेणी के अपराध को स्वीकार किया है। इस लड़ाई का नुकसान सबसे ज्यादा विराट कोहली को हुआ है। विराट कोहली को 1.07 करोड़ रुपए फाइन के रूप में चुकाने होंगे। इसके अलावा गंभीर को 25 लाख रुपए जुर्माना भरना होगा। नवीन को भी जुर्माने के रूप में 1.79 लाख रुपए चुकाने होंगे।

दिल्ली ने गुजरात को आईपीएल में पहली बार हराया

आईपीएल : इशांत शर्मा ने पल्टा मैच, हार्दिक का अर्धशतक बेकार

अहमदाबाद। अमन खान के करियर के पहले अर्धशतक के बाद गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की मदद से दिल्ली कैपिटल्स ने आईपीएल 2023 में गुजरात टाइटंस को पांच रन से हराकर तीसरी जीत दर्ज की। दिल्ली कैपिटल्स ने आईपीएल में गुजरात टाइटंस पर पहली जीत दर्ज की। दोनों के बीच यह ओवरऑल तीसरा मुकाबला था। पिछले दो मुकाबले गुजरात ने जीते थे। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए दिल्ली ने 20 ओवर में आठ विकेट गंवाकर 130 रन बनाए। जवाब में गुजरात की टीम 20 ओवर में छह विकेट गंवाकर 125 रन बना सकी। गुजरात के एक समय 32 रन पर चार विकेट गिरन के बाद हार्दिक पंड्या (नाबाद 59 रन) और अभिनव मनोहर (26 रन) ने 62 रन की साझेदारी कर गुजरात को संभला। आखिरी तीन ओवर में गुजरात को जीत के लिए 37 रन की जरूरत थी। इसके बाद राहुल तेवतिया ने नोर्त्जे के 19वें तीन गेंदों पर तीन छक्के लगाकर ओवर में 21 रन बनाए। इशांत ने अंतिम ओवर में 12 रन बचाते हुए तेवतिया का विकेट लेकर सिर्फ छह रन खर्च किए और दिल्ली को पांच रन से मैच जिता दिया। इशांत शर्म ने चार ओवर में 23 रन देकर दो विकेट झटके। इसके अलावा खलील अहमद ने दो विकेट झटके। दिल्ली के 23 रन पर पांच विकेट गिरने के बाद अमन खान ने 51 रन, अक्षर पटेल ने 27 रन और रिपल पटेल ने 23 रन बनाकर टीम को 130 रन तक पहुंचाया।

स्कोर बोर्ड

दिल्ली कैपिटल्स	रन	गेंद	4/6
फिल सॉल्ट कै. मिलर बो. शमी	00	01	0/0
डेविड वॉर्नर रन आउट	02	02	0/0
प्रियम गर्ग कै. साहा बो. शमी	10	14	0/0
राइली रूसो कै. साहा बो. शमी	08	06	2/0
मनीष पांडे कै. साहा बो. शमी	01	04	0/0
अक्षर पटेल कै. राशिद बो. मोहित	27	30	2/1
अमन खान कै. मनोहर बो. राशिद	51	44	3/3
रिपल पटेल कै. हार्दिक बो. मोहित	23	13	2/1
अनरिख नोर्त्जे नाबाद	03	06	0/0
कुलदीप यादव नाबाद	00	01	1/0

अतिरिक्त: 5, **कुल:** 20 ओवर में आठ विकेट पर 130 रन **विकेट पतन:** 1-0, 2-6, 3-16, 4-22, 5-23, 6-73, 7-126, 8-130, **गेंदबाजी:** मोहम्मद शमी 4-0-11-4, हार्दिक पंड्या 1-0-10-0, जोश लिटिल 3-0-27-0, राशिद खान 4-0-28-1, नूर अहमद 4-0-20-0, मोहित शर्मा 4-0-33-2,

गुजरात टाइटंस	रन	गेंद	4/6
साहा कै. सॉल्ट बो. खलील	00	06	0/0
शुभमन गिल कै. पांडे बो. नोर्त्जे	06	07	1/0
हार्दिक पंड्या नाबाद	59	53	7/0
विजय शंकर बो. इशांत	06	09	1/0
डेविड मिलर बो. कुलदीप	00	03	0/0
अभिनव कै. अमन बो. खलील	26	33	0/1
राहुल तेवतिया कै.रूसो बो. इशांत	20	07	0/3
राशिद खान नाबाद	03	02	0/0

अतिरिक्त: 5, **कुल:** 20 ओवर में छह विकेट पर 125 रन **विकेट पतन:** 1-0, 2-18, 3-26, 4-32, 5-94, 6-122 **गेंदबाजी:** खलील अहमद 4-1-24-2, इशांत शर्मा 4-0-23-2, अनरिख नोर्त्जे 4-0-39-1, कुलदीप यादव 4-0-15-1, अक्षर पटेल 4-0-24-0,

अंतिम ओवर में 12 रन नहीं बना सका गुजरात

1 — 2 रन
2 — 1 रन
3 — 0 रन
4 — W विकेट
5 — 2 रन
6 — 1 रन

मोहम्मद शमी ने पहली बार झटके 4 विकेट

गुजरात के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने आईपीएल में पहली बार 4 विकेट झटके। शमी ने घातक गेंदबाजी करते हुए 4 ओवर 11 रन देकर 4 विकेट झटके। शमी ने आईपीएल के में पावरप्ले के दौरान दूसरी सबसे बेहतरीन गेंदबाजी की है। उन्होंने पॉवरप्ले के दौरान 3 ओवर में 7 रन खर्च किए और 4 विकेट झटके।

आईपीएल में मोहित शर्मा ने पूरा किया विकेटों का शतक

गुजरात ने मोहित शर्मा ने 4 ओवर में 33 रन देकर दो विकेट झटके। इस दौरान रिपल पटेल को आउट कर उन्होंने अपने आईपीएल में करियर के 100 विकेट पूरे किए। मोहित आईपीएल में विकेटों का शतक लगाने वाले 23वें गेंदबाज बने हैं। उन्होंने अब तक आईपीएल के 92 मैचों में 25.95 की औसत और 8.36 की इकॉनमी रेट से 100 विकेट ले लिए हैं। इस बीच उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 14 रन देकर 4 विकेट रहा है।

अमन ने जड़ा करियर का पहला अर्धशतक

दिल्ली कैपिटल्स के बल्लेबाज अमन खान ने गुजरात के खिलाफ 41 गेंद में अपने आईपीएल करियर का पहला अर्धशतक जड़ा। इस दौरान उन्होंने 3 चौके और 3 छक्के लगाए। 26 साल के अमन ने पिछले साल ही आईपीएल में डेब्यू किया था। अब तक 7 पारियों में उन्होंने 12.86 की औसत और 121.62 की स्ट्राइक रेट के साथ 90 रन बनाए हैं।

आईपीएल 2023 अंक तालिका

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक	रन रेट
गुजरात टाइटंस	09	06	03	12	0.532
राजस्थान रॉयल्स	09	05	04	10	0.800
लखनऊ सुपर जांयट्स	09	05	04	10	0.639
चेन्नई सुपर किंग्स	09	05	04	10	0.329
रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	09	05	04	10	-0.030
पंजाब किंग्स	09	05	04	10	-0.447
मुंबई इंडियंस	08	04	04	08	-0.502
कोलकाता नाइट राइडर्स	09	03	06	06	-0.147
सनराइजर्स हैदराबाद	08	03	05	06	-0.577
दिल्ली कैपिटल्स	09	03	06	06	-0.768

पुरुष वर्ग में दूसरे एवं महिला वर्ग में तीसरे स्थान पर रहा एलएनसीटी

भोपाल। अखिल भारतीय विश्वविद्यालय के तत्वधान में महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक में आयोजित ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी ड्रॉप रोबॉल प्रतियोगिता में एलएनसीटी विश्वविद्यालय के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 16 अंकों के साथ भारतवर्ष में पुरुष वर्ग में दूसरा स्थान, एवं महिला वर्ग में 10 अंकों के साथ तीसरा स्थान प्राप्त किया, इस ऑल इंडिया ड्रॉप रोबॉल प्रतियोगिता में भारतवर्ष के विभिन्न विश्वविद्यालयों की 48 महिला एवं पुरुष टीमों ने भाग लिया। सिंगल्स पुरुष वर्ग में बीपीईएस के विजय सिसोदिया ने कांस्य पदक, पुरुष डबल्स मुकाबले में कृष्णकांत, सिद्धांत, नरेंद्र ने कांस्य पदक, पुरुष ट्रिपल मुकाबले में ध्रुव खन्ना, मुकेश, भरत, जटाशंकर, लक्ष्य, मयूरेस व्यास ने स्वर्ण पदक प्राप्त किया। मिक्स डबल्स मुकाबले में गुंजन मिश्रा, हिमांशी एवं दीपक ने रजत पदक प्राप्त किया, बही महिला वर्ग के ट्रिपल मुकाबले में रुकमणी, लता, सोनाली, प्रियंका, इशिका ने स्वर्ण पदक प्राप्त किया। पुरुष वर्ग में एमडीयू प्रथम, आईआईएमटी मेरठ ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। वहीं महिला वर्ग में एमडीयू प्रथम, कुमाऊं विश्वविद्यालय नैनीताल द्वितीय स्थान पर रहा। विश्वविद्यालय की शानदार उपलब्धि पर सभी खिलाड़ियों को जय नारायण चौकसे कुलाधिपति एलएनसीटी विश्वविद्यालय, डॉ. अनुपम चौकसे प्रो चांसलर एलएनसीटी युनिवर्सिटी, डॉ धर्मेंद्र गुप्ता एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर एलएनसीटी युनिवर्सिटी ने शुभकामनाएं दी।

भोपाल के छह खिलाड़ी थाईलैंड में करेंगे भारत का प्रतिनिधत्व

भोपाल। राजधानी के छह कराते खिलाड़ी थाईलैंड के बैंकाक में होने वाली अंतरराष्ट्रीय मार्शल आर्ट चैंपियनिशप में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। यह चैंपियनशिप 26 से 29 मई तक खेली जाएगी। टीम कोच इनयातुर रहमान और टीम मैनेजर सेंसेई शिवा सोनी ने बताया कि चैंपियनिशप के लिए भोपाल से छह खिलाड़ियों का चयन किया गया है। एक कोच और एक मैनेजर भी साथ में जाएंगे। भारत से लगभग 150 खिलाड़ियों का दल मुंबई से थाईलैंड के लिए रवाना होगा। चैंपियनशिप में भारत सहित कुल आठ देशों के खिलाड़ी पदकों की दावेदारी पेश करेंगे। भोपाल टीम में एक खिलाड़ी कैंपियन स्कूल से हैं बाकी सभी खिलाड़ी सेंट जोसेफ को-एड स्कूल के हैं। टीम सभी इवेंट काता और कुमिते दोनों में होंगे। भोपाल टीम: ग्लोरिया ग्रेस रिचजड्र्स, कुशाग्र भट्ट, अथर्व वर्मा, सिद्धार्थ पवार, नवेद्या दांगी, अंशुमान त्रिपाठी। कोच: सैयद इनयातुर रहमान, टीम मैनेजर: शिवा सोनी।

बेंगलुरु के इन खूबसूरत हिल स्टेशन में बिताएं कुछ सुकून के पल, जन्नत में होने का होगा एहसास

बेंगलुरु कर्नाटक राज्य की राजधानी होने के अलावा दक्षिण-भारत का एक प्रमुख पर्यटन स्थल भी है। पूरे भारत में यह शहर हाई-टेक उद्योगों का केंद्र भी माना जाता है। बता दें कि बेंगलुरु अपने खूबसूरत पार्कों, शानदार मौसम और मनमोहक झीलों के लिए काफी फेमस है। ऐसे तो यहां पर घूमने के लिए कई बेहतरीन जगहें मौजूद हैं। लेकिन इन जगहों पर पर्यटकों की भारी भीड़ देखने को मिलती है। ऐसे में अगर आप भी शहर की भागदौड़ भरी जिंदगी से कुछ समय के लिए किसी शांत जगह पर जाने का प्लान बना रहे हैं। तो आप बेंगलुरु के आसपास स्थिति कुछ बेहतरीन हिल स्टेशन पर घूमने का प्लान बना सकते हैं। अगर आप बेंगलुरु की भागदौड़ भारी जिंदगी से दूर किसी खूबसूरत और शांत जगह पर जाना चाहते हैं। तो आप नंदी हिल स्टेशन जा सकते हैं। यह एक ऐसी जगह है जहां पर पूरे साल मौसम सुहावना बना रहता है। यहां पर काफी संख्या में पर्यटक घूमने के लिए आते हैं। हरे-भरे जंगल और पहाड़ों के बीच टीपू सुल्तान का महल मौजूद है। जो इसकी खूबसूरती में चार चांद लगाने का काम करता है। नंदी हिल समुद्र तल से लगभग 4 हजार से भी अधिक फीट की ऊंचाई पर मौजूद है। यहां से आप सनसेट और सनराइज की खूबसूरत झलक भी देख सकते हैं। साथ ही यहां पर आप भगवान शिव उनकी पत्नी पार्वती व नंदी को समर्पित नंदेश्वर मंदिर के भी दर्शन कर सकते हैं। आंध्र प्रदेश में स्थित और बेंगलुरु के पास में मौजूद होर्सले हिल्स जाने के बाद आप किसी दूसरी दुनिया में होने का एहसास करेंगे। जब बेंगलुरु के अन्य हिस्सों में भयंकर गर्मी पड़ती है तो यहां का मौसम एकदम सुहावना रहता है। यहां पर सुबह-शाम ठंडी हवा चलती है। होर्सले हिल्स में जाने के बाद व्यक्ति खुद को प्रकृति के बेहद करीब महसूस करता है। होर्सले हिल्स के नजारे देख आपकी सा?ी थकान औक दर्द दूर हो जाएंगे। इसके अलावा यहां पर आप फोटोग्राफी और ट्रैकिंग का भी लुत्फ उठा सकते हैं। बेंगलुरु के पास में स्थित रामानगरम हिल में आप सुकून के पल बिता सकते हैं। चट्टानी पहाड़ियों और हरे भरे वातावरण के बीच मौजूद रामानगरम हिल स्टेशन पर आप अपने पार्टनर के साथ जा सकते हैं। रामानगरम हिल के पास में मौजूद रामदेवरबेट्टा गिद्ध अभ्यारण्य इस जगह की खूबसूरती को बढ़ाने का काम करता है। यहां पर जाने के लिए मार्च से जून का महीना सबसे बेस्ट होता है।

आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में टॉप पर पहुंची भारतीय टीम

ऑस्ट्रेलिया की 15 माह की बादशाहत खत्म

दुबई। रोहित शर्मा की अगुआई में भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया को पछाड़कर मंगलवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की टेस्ट रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया। भारत इस समय 121 रेटिंग पॉइंट के साथ टेस्ट टीम रैंकिंग में पहले स्थान पर है, जबकि ऑस्ट्रेलिया 116 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर फिसल गया है। पैट कमिंस की ऑस्ट्रेलियाई टीम पिछले 15 महीने से नंबर एक पर कायम थी, जबकि भारत ने इस साल की शुरुआत में उसे बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी टेस्ट सीरीज में 2-1 से हराया था। वार्षिक रैंकिंग नवीनीकरण से पहले ऑस्ट्रेलिया के 122 रेटिंग पॉइंट थे, जबकि भारत (119) तीन अंकों से पीछे था।

वार्षिक रैंकिंग में मई 2020 से लेकर मई 2023 तक की सभी टेस्ट सीरीजों को आकलन में लिया जाता है। मई 2020 से मई 2022 तक की सीरीजों का महत्व 50 प्रतिशत तक घटा दिया जाता है, जबकि उसके बाद की सीरीजों को 100 प्रतिशत महत्व दिया जाता है। नतीजतन, पाकिस्तान (2-0) और न्यूजीलैंड (3-0) के खिलाफ 2019-20 में दर्ज की गयी ऑस्ट्रेलिया की विजयों को आकलन में नहीं लिया गया, जबकि 2021-22 में इंग्लैंड के विरुद्ध दर्ज की गई 4-0 की जीत के 50 प्रतिशत अंक ही जोड़े गए।

ICC
ICC Rankings

आईसीसी टेस्ट रैंकिंग

क्र.	टीम	अंक
1	भारत	121
2	ऑस्ट्रेलिया	116
3	इंग्लैंड	114
4	द.अफ्रीका	104
5	न्यूजीलैंड	100

टी-20 में भी भारतीय टीम शीर्ष पर बरकरार

टी-20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में भारतीय टीम पहले से ही टॉप पर बरकरार है। भारत (267 अंक) रैंकिंग में पहले पायदान पर, इंग्लैंड (259 अंक) अंक दूसरे स्थान पर है। न्यूजीलैंड (256 अंक) और पाकिस्तान (254 अंक) क्रमश: तीसरे और चौथे नंबर पर काबिज है। इसके अलावा ऑस्ट्रेलिया की टीम छठे पायदान, वेस्टइंडीज सातवें पायदान, श्रीलंका आठवें पायदान, बांग्लादेश नौवें पायदान और अफगानिस्तान दसवें पायदान पर हैं।

वनडे रैंकिंग में तीसरे पायदान पर भारत

भारतीय टीम वनडे रैंकिंग में हुई सालाना अपडेट के बाद तीसरे पायदान पर है। वनडे रैंकिंग में 113-113 अंक के साथ ऑस्ट्रेलिया पहले, न्यूजीलैंड दूसरे, और भारत तीसरे स्थान पर है। इसके बाद इंग्लैंड चौथे, पाकिस्तान पांचवें, दक्षिण अफ्रीका छठवें, बांग्लादेश सातवें, श्रीलंका आठवें, वेस्टइंडीज नौवें और अफगानिस्तान दसवें पायदान पर हैं।

बीसीसीआई सचिव जय शाह ने दी भारतीय टीम को बधाई

बीसीसीआई सचिव जय शाह ने भारतीय टीम को शुभकामनाएं दी। उन्होंने ट्वीट कर कहा, भारतीय टीम को दुनिया की नंबर वन टेस्ट बनने की बधाई। दुनिया की नंबर वन टेस्ट टीम का दर्जा भारतीय टीम के घर में और बाहर के प्रदर्शन को दर्शाता है। टेस्ट के अलावा हम टी20 में भी नंबर वन हैं।

लोक साहित्य

डा. ब्रजेन्द्र पांडेय

सामाजिक परिपेक्ष्य में त्रिवेदीजी की रचनाएं

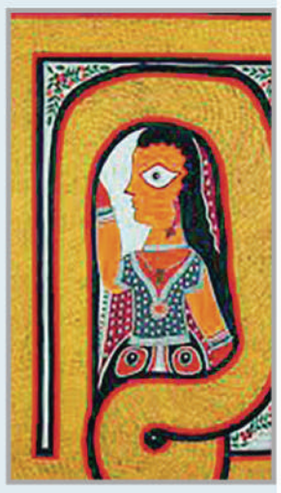

स्वराज्य प्रसाद त्रिवेदी को अपने पिता गयाचरण त्रिवेदी से राष्ट्रीय चेतना विरासत में मिली थी। गयाचरण त्रिवेदी छत्तीसगढ़ के स्वतंत्रता सेनानियों में अग्रणी थे और उन्हीं के पदचिन्हों पर चलते हुए स्वराज्य जी ने सन 1942 में विशेष रूप से स्वतंत्रता संग्राम में भाग लिया था। इस परिपेक्ष्य में त्रिवेदी जी की रचनाओं में तत्कालीन सामाजिक और राजनीतिक परिस्थिति की पृष्ठभूमि उभरकर आती है। वे अपनी कविता 'मंदिर के दीप' में कहते हैं-

एक तरफ तो आंसू देखा, एक ओर धन की मस्ती।
इन दोनों के पास खड़ा, कवि देख रहा अपनी हस्ती।।

वे समाज में फैली गरीबी और थोड़े से लोगों के पास संचित अपार संपत्ति के विरोधाभास के बीच अपने को खड़े पाते हैं। अपनी 'अगम और अथाह' कविता में जिंदगी की राह पर टिप्पणी करते हैं, तो इसमें छायावाद की रहस्यात्मकता उभरती है-

इसमें न कोई अन्य पथ, चिर काल से ही जुड़ सका।
इस पर कि चलकर आदमी, किंचित न अब तक मुड़ सका।
इसमें न पथ फूटे कहीं,
यह अगम अथाह है, यह जिंदगी की राह है।

इस पृष्ठभूमि में त्रिवेदी जी की रचनाओं में सांस्कृतिक, सामाजिक और राजनीतिक चेतना के तत्वों को अलग अलग परखा जा सकता है।

पुस्तक समीक्षा

भाखा के अंजोर

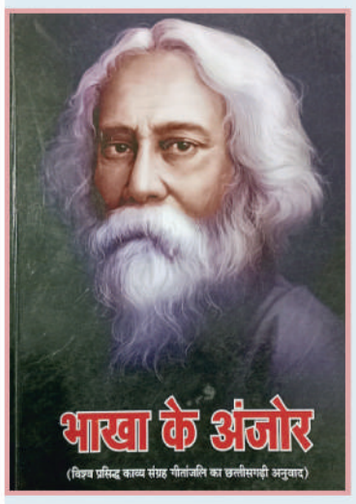

कृति के नाव
भाखा के अंजोर

कृतिकार
सविता पाठक

समीक्षक
गिरजा शंकर गौतम

प्रकाशक
शिक्षादूत प्रकाशन, रायपुर

कीमत
चार सौ रुपए

कालजयी कवि गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर द्वारा विरचित गीतों की अंजलि गीतांजलि है। साहित्यानुरागी सविता पाठक ने विषम और भयावह रूग्ण परिस्थितियों में इसे पढ़कर आत्मबल और मानसिक खाद-पानी का उन्मेष प्राप्त किया जो सहज बात हो सकती है किंतु इसे माध्यम बनाकर छत्तीसगढ़ी भाषा साहित्य की श्रीवृद्धि की है। मुक्तक होकर महाकाव्यात्मक महत्त्व की इस कृति का छत्तीसगढ़ी में हिंदी सहित अनूदित होना जहां इनकी पठनीयता को बढ़ा देता है वहीं छत्तीसगढ़ी में अनुवाद-परंपरा को भाखा का अंजोर भी मिलता है-

मोर माथा ल अपन चरन-रज तरि निहुरा दे!
भगवान! मोर जम्मो अहं ला आंखी के पानी में बूड़ो दे!
अपन लबारी महत्तम के रच्छा ल करत मैं
जुच्छा अपन छोटपन दिखाथंव।

छत्तीसगढ़ी के प्रभावी सम्प्रेषण की अभिव्यक्ति इस कविता में सहज ही दृष्टव्य है। सरल छत्तीसगढ़ी में वर्णित भाव जनमानस को समृद्ध करने वाले हैं। जो हिंदी-पाठक छत्तीसगढ़ी नहीं समझते उन्हें इसमें अवश्य सहायता मिलेगी। भाखा के अंजोर में गीतांजलि के कुल 156 गीतों का छत्तीसगढ़ी अनुवाद संकलित है। यह अनुवाद ग्रंथ छत्तीसगढ़ी भाषा और साहित्य के लिए महत्वपूर्ण एवं संग्रहणीय ग्रंथ है।

सरगुजा से हाथियों की मांग प्रमुख शासकों द्वारा किया जाता था। पंद्रहवी शताब्दी में इसी विशेषता के कारण सरगुजांचल को एरावत मंडल कहा जाता था। यहां के जंगलों में स्वच्छंद विचरण करते हिंसक वन्य प्राणी, पिंडारियों द्वारा लूटपाट से यदि व्यक्ति इनसे बच भी जाए तो यहां वातावरण से होने वाला मलेरिया ज्वर सरगुजा प्रवास को मृत्यु बना देते थे। संभवतः इसी कारण सरगुजा या सिरगुजा कालांतर में सरगुजा कहलाने लगा।

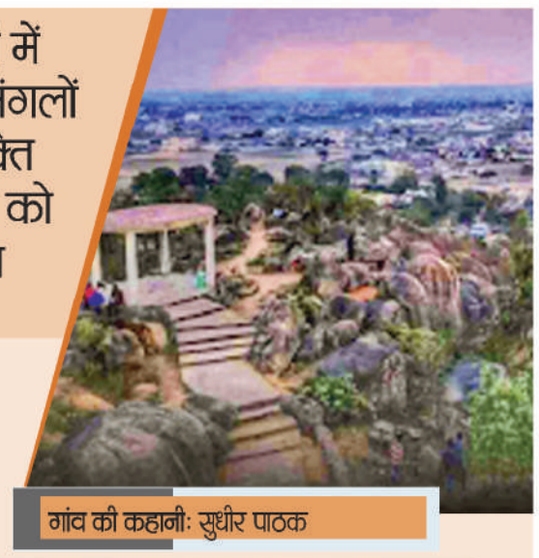

स्वर्ग की अनुभूति के कारण नाम पड़ा

गांव की कहानी: सुधीर पाठक

सरगुजा का प्राचीन इतिहास और सभ्यता गौरवपूर्ण रहा है। रामायण काल में तत्कालीन सरगुजा क्षेत्र झारखंड के अंतर्गत समाविष्ट था। दसवीं सदी में सरगुजा को दाण्डोर कहा जाता था। तत्कालीन अभिलेख के अनुसार सरगुजा राज में इक्कीस सौ गांव थे। बाद में 22 जमीदारियों में विभक्त होने के कारण संगठित रूप से यह बाइस दाण्डेर कहलाने लगा। यहां के जंगलों में बहुतायत में हाथी पाए जाते थे, जिनका उपयोग सैन्य अभियानों में होता था। सरगुजा से हाथियों की मांग प्रमुख शासकों द्वारा किया जाता था। पंद्रहवी शताब्दी में इसी विशेषता के कारण सरगुजांचल को एरावत मंडल कहा जाता था। यहां के जंगलों में स्वच्छंद विचरण करते हिंसक वन्य प्राणी, कोरवा पंडों जैसी विकट धनुर्धर जातियां, पिंडारियों द्वारा लूटपाट से यदि व्यक्ति इनसे बच भी जाए तो यहां के वातावरण से होने वाला मलेरिया ज्वर सरगुजा प्रवास को मृत्यु आलिंगनकारक बना देते थे। इसलिए इस अंचल में यह लोकोक्ति प्रचलित हो गई-

जहर खाय न माहुर खाय। मरे के होय त सरगुजा जाय।

संभवतः अपनी इसी विशेषता के कारण सरगुजा या सिरगुजा (अर्थात स्वर्ग जा या मर जा) कालांतर में सरगुजा कहलाने लगा। डा. भास्कराचार्य त्रिपाठी का मत है कि सरभंग ऋषि का आश्रम यहां होने के कारण स्थल का नाम सरगुजा हुआ। इतना ही नहीं और भी अनेक बुद्धिजीविकों ने अपने हिसाब से नामकरण करते रहे हैं। कुल मिलाकर सभी इस स्थल के प्राकृतिक सौंदर्य को ही रेखांकित करते रहे हैं।

सहरिया जनजाति में अहूत पूजन

जनजाति विशेष : आशा ध्रुव

सहरिया जनजाति में अहूत सबके अलग अलग होते हैं, तथा हर घर या टपरियों में इनका एक स्थान पर पत्थर रूप में विराजमान रहते हैं। वर्ष में सभी देवों में इनकी पहले पूजा की जाती है। इनका मानना है कि यह उनके ही पूर्वज होते हैं जो निःसंतान मर जाते हैं। मरने के बाद यह अहूत बनकर नाग योनि में पहुंच जाते हैं। इस अहूत पर हर महीने की दूज पर विधिवत पूजा अर्चना कर नारियल चढ़ाते हैं। सहरिया जनजाति अहूत को न रूठे इसके लिए विनती करते रहते हैं। इनका मानना है कि हम जंगलों में निवास करते घास-फूस और खरपतवारों के बीच रहते हैं यदि देवता रूठ जाए तो अनर्थ होने के साथ ही हमारी वंश वृद्धि रूक जाएगी। अपने अहूत को मनाने के लिए गीत भी गाते हैं-

काकूल दी झोलिया में खेले अहूत,
आई मैया ले गई उठाय,
मेरो सांचों अहूत मेरो भोरों अहूत,
वन खड़ियां में जान बसे,
वीरन की झोलिया में खेले अहूत,
आई भौजी ले गई उठाय।

आकर्षक शैलचित्र अंकित हैं सिरोली डोंगरी में

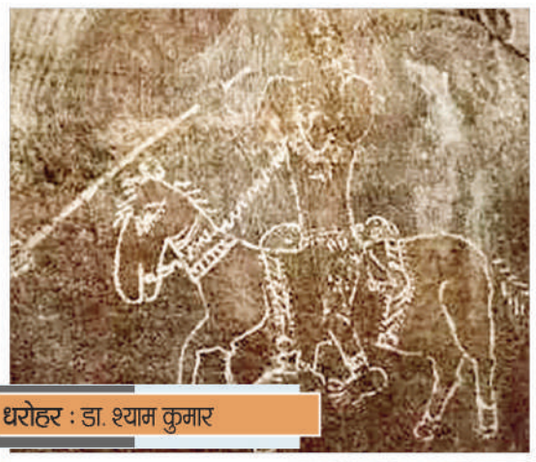

धरोहर : डा. श्याम कुमार

छत्तीसगढ़ के विभिन्न अंचलों में शैलचित्रों की खोज सबसे पहले 1910 में एडरसन ने की थी। में सारंगढ़ शहर से उत्तर पश्चिममें पांच किमी की दूरी पर सिरौली डोंगरी में अंकित अनेक शैलचित्र आज भी स्पष्ट रूप से विद्यमान हैं। इनमें आखेट करते मानव, अनेक पशु तथा मानवाकृतियां देखी जा सकती हैं। इस स्थल के आसपास भी विभिन्न रंगों में शैलचित्र देखे जा सकते हैं। इन शैलचित्रों में प्रागैतिहासिक काल के जीवन शैली के साथ प्रकृति और पर्यावरण के प्रति सजगता के प्रमाण स्पष्ट परिलक्षित होते हैं। यह शैलचित्र आज भी देखने में आकर्षक लगते हैं। कुछ शैलचित्र धुंधली अवस्था में नजर आ रहे हैं। पर्यटक इन शैलचित्रों को देखने आते हैं तथा अपनी सकारात्मक प्रतिक्रिया देने से नहीं चूकते।

सामाजिक समस्याओं को प्रमुखता से उठाते रहे: प्रो. जय नारायण पांडेय

सुरता : गोविंद साव

बाल्यावस्था से मेघावी छात्र रहे प्रो.जय नारायण पांडेय जी अंग्रेजी के प्रकांड विद्वान और अंग्रेजी के प्रोफेसर रहे। आप कुशल शिक्षाविद, लेखक और सामाजिक चिंतक भी थे। आप इसके साथ ही हिन्दी में भी धाराप्रवाह बोलकर लोगों के बीच अपनी जगह बना ली थी। स्वतंत्रता आंदोलन के समय सुनियोजित ढंग से रायपुर के शासकीय स्कूल, नयापारा मोहल्ले से लेकर वर्तमान छत्तीसगढ़ कालेज तक आपने प्रतिनिधित्व किया था। इसी परिपेक्ष्य में डायनामाइट से जेल की दीवार तोड़ने की कोशिश में आपको सजा भी भुगतनी पड़ी थी। आप जनमत अखबार में संपादक के रूप में समाज में व्याप्त आर्थिक स्थिति, वर्तमान लचीला शासन व्यवस्था, गरीबी, भूखमरी, जनता के साथ हो रहे अन्याय, अत्याचार के साथ आम आदमी से जुड़ी हर छोटी-बड़ी समस्याओं तथा संवदेनशील मुद्दों को प्रमुखता से जन समक्ष लाते रहे। अबुझमाड़ की समस्याओं पर भी आपने काफी लेखन किया है। सामाजिक बंधनों के बीच नियति के आगे नतमस्तक 39 वर्ष की अल्पायु में ही आप इस संसार से विदा हो गए।

कला जगत

रामप्रसाद कोसरिया

आंचलिक लोक में समाहित मुक्तक गीत

मुक्तक गीत में यौवन, प्रेम, श्रृंगार, सौंदर्य विषयक लोक भाव व्यक्त होते हैं। इन गीतों को कभी भी और कहीं भी गाया जा सकता है। अधिकतर जंगलों में गांव के बाहर इसे गाते हैं। इसी कारण इन्हें वन-भजन भी कहा जाता है। इन गीतों में तुक का विशेष महत्व होता है। इनके अधिकांश गीत प्रश्नोत्तरी होते हैं, जिसमें नायक और नायिका एक दूसरे के बीच अपने भावों को गीत के माध्यम से व्यक्त करते हैं।

छत्तीसगढ़ अंचल में लोक नाटकों, प्रहसनों और नाचा विधा में मुक्तक गीत का आसानी से प्रयोग किया जाता है। मुक्तक गीत में यौवन, प्रेम, श्रृंगार, सौंदर्य विषयक लोक भाव व्यक्त होते हैं। इन गीतों को कभी भी और कहीं भी गाया जा सकता है। अधिकतर जंगलों में गांव के बाहर इसे गाते हैं। इसी कारण इन्हें वन-भजन भी कहा जाता है। इन गीतों में तुक का विशेष महत्व होता है। इनके अधिकांश गीत प्रश्नोत्तरी होते हैं, जिसमें नायक और नायिका एक दूसरे के बीच अपने भावों को गीत के माध्यम से व्यक्त करते हैं। यह ऐसा गीत है जो प्रेम की लहर में उठने वाली अनंत तरंग है जो जीवन से मृत्यु तक अपने प्रेम बंधन की डोरी बांधे आशा और निराशा के बीच मस्तक नवाए इंतजार की घड़ियों में खड़ी गोपियों की तरह है-यह भाव इन निम्न पंक्तियों में-

टुटहा रे हंसिया के जरहा हे बेंठ।
जीयत जागत रहिबों त कभु तो होही भेंट।

ददरिया गीत भी मुक्तक गीत के ही श्रेणी में आते हैं। इनमें सारी सृष्टि के जड़-चेतन, लघु-विराट का समावेश होता है , जिसके बिना संसार सुख की परिकल्पना और सामाजिक जीवन का आनंद प्राप्त नहीं किया जा सकता।

मालवीय मूर्ति से अंबेडकर प्रतिमा तक कांग्रेस मेयर प्रत्याशी अनिल श्रीवास्तव का निकला मोटरसाइकिल जुलूस

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। नगर निगम चुनाव प्रचार अभियान के अंतिम दिन काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के लंका सिंहद्वार स्थित महामना मालवीय प्रतिमा स्थल से कांग्रेस के मेयर प्रत्याशी अनिल श्रीवास्तव का विशाल मोटर साईकिल जुलूस निकला नगर भ्रमण कर जुलूस कचहरी स्थित अंबेडकर

अजय राय ने चलायी अनिल श्रीवास्तव की बाइक

प्रतिमा गया` प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री अजय राय ने हेलमेट लगा कर स्वयं अनिल श्रीवास्तव की मोटरसाइकिल की ड्राइविंग संभाली उनके साथ पीछे बैठे कांग्रेस प्रत्याशी जहां सबका अभिवादन करते चल रहे थे वहीं पूरे रास्ते बाइक लोगों के आकर्षण का केंद्र थी जिस पर दोनों नेता सवार थे`

अम्बेडकर प्रतिमा स्थल पर समापन संग लोगों को सम्बोधित करते हुये श्री श्रीवास्तव ने कहा कि महामना मालवीय मेरे लिये सार्वजनिक जीवन की मूल प्रेरणा और संविधान में अम्बेडकर जी द्वारा पिरोये गये लोकतंत्र के मूल्य मेरी राजनीतिक आस्था के प्रतीक रहे हैं अतः मालवीय मूर्ति से अंबेडकर प्रतिमा तक की रैली हमारे इस संकल्प को व्यक्त करती है कि मेयर पद की गरिमा को कांग्रेस दौर के 74 वें संविधान संशोधन के अनुरूप हम बहाल करेंगे` कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने कहा मेयर हेतु सर्वोत्तम प्रत्याशी की अनिल श्रीवास्तव की उभरी छवि के साथ कांग्रेस काशी में जीत का दर्ज करेगी` लंका में मालवीय मूर्ति से शुरू कांग्रेस का मोटर साइकिल जुलूस अस्सी, मदनपुरा, गोदौलिया, गिरजाघर, चेतगंज, लहुरावीर, तेलियाबाग, चौकाघाट, हुकुलगंज, पाण्डेयपुर, महावीर चौराहा, यू.पी.कालेज, अर्दली बाजार, गोलघर होते हुये कचहरी स्थित अम्बेडकर चौक पहुंचा था` महानगर अध्यक्ष रावेन्द्र चौबे, पार्षद दल नेता सीताराम केसरी, प्रो.सतीश राय, प्रो.अनिल उपाध्याय, मणीन्द्र मिश्रा, कमलेश ओझा, दुर्गा प्रसाद गुप्त, अरविंद किशोर राय, वीरेन्द्र कपूर, अजित सिंह, इमरान खान, घनश्याम सिंह, सुनील राय, फसाहत हुसेन, हसन मेहंदी, हाजी रईस अहमद, मनीष मरोलिया, ओम प्रकाश ओझा, जितेन्द्र सेठ, अफजाल अंसारी, गुलशन अली, बिलाल अहमद, विश्वनाथ कुवर, ऋषभ पाण्डेय, विकास कौंडिल्य, मंगलेश सिंह, विपिन सिंह, जितेन्द्र सिंह, विनय साजेदा, मो.जुबैर, डा.राजेश गुप्ता, अरुण सोनी, राजीव राम, नृपेन्द्र नारायण सिंह, रोहित दुबे, अनुभव राय आदि जुलूस में शामिल थे।

बीएसए ने दिया 172 निजी विद्यालयों की मान्यता रद्द करने की चेतावनी

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। जनपद में ब्लॉक स्तर तक के स्कूलों को सीधे जोड़ने के लिए एकमात्र माध्यम यू-डायस प्रपत्र भरने में निजी मान्यता प्राप्त एवं परिषदीय स्कूलों की लापरवाही की वजह से नाराज बेसिक शिक्षा अधिकारी हेमंत राव ने 172 विभिन्न मान्यता प्राप्त निजी विद्यालयों के संचालकों को नोटिस जारी किया है। यह चेतावनी दिया की अगर 3 दिन के अंदर यू-डाइस प्रपत्र नहीं भरा गया तो संबंधित सभी विद्यालयों की मान्यता रद्द कर स्कूल को बंद करा दिया जाएगा। जबकि 78 परिषदीय विद्यालय के यू-डाइस प्रपत्र ना भरे जाने को गंभीरता से लेते हुए इन विद्यालयों के प्रबंधकों को नोटिस जारी कर 24 घंटे में जवाब मांगा गया है। जिसके चलते संचालकों व

परिषदीय स्कूलों के प्रधानाध्यापकों में हड़कंप मचा हुआ है। जानकारी के अनुसार जमानिया क्षेत्र में 320 निजी मान्यता प्राप्त स्कूल हैं। जिनमें से मात्र 193, जबकि 261 परिषदीय विद्यालयों में से 183 स्कूलों के द्वारा ही अपना डाटा एंट्री फिट किया गया है। अगर किसी स्कूल का यू डायस कोड ऑनलाइन फीस नहीं है तो सरकार की नजर में वह स्कूल है ही नहीं। महकमे के अनुसार परिषदीय तथा निजी मान्यता प्राप्त स्कूलों का शैक्षिक संकलन हर वर्ष यू डाइस प्रपत्र पर होता रहा है। जिसे सभी विद्यालयों के प्रधानाचार्य को भरना पड़ता था। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी हेमंत राव ने बताया कि निजी मान्यता प्राप्त व परिषदीय विद्यालयों को यूजर आईडी बनवाकर पत्र भरने का सख्त निर्देश दिया गया है। उन्होंने बताया कि अगले 3 दिन में अगर निजी विद्यालयों के द्वारा यू डायस प्रपत्र नहीं भरा गया तो उनकी मान्यता रद्द कर दी जाएगी। साथ ही यह कहा की लापरवाही पर परिषदीय स्कूलों के प्रधानाध्यापकों को भी नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया है।

भाजपा सांसद निरहुआ ने किया पार्टी प्रत्याशियों के पक्ष में रोड शो

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर । मंगलवार को आजमगढ़ लोकसभा के भाजपा सांसद, अभिनेता गायक दिनेश लाल यादव निरहुआ ने गाजीपुर नगर निकाय चुनाव प्रचार के आज अंतिम दिन नगर पंचायत बहादुरगंज, जंगीपुर और नगरपालिका गाजीपुर मे भाजपा की जीत सुनिश्चित करने के लिए रोड शो किया। गाजीपुर नगरपालिका क्षेत्र के उदूर्बाजार से सायंकाल 4 बजे फूल माला से सजी चार पहिया वाहन पर दिनेश लाल निरहुआ, भाजपा जिलाध्यक्ष भानुप्रताप सिंह,एम एल सी विशाल सिंह चंचल, सपना सिंह, प्रत्याशी सरिता अग्रवाल, विनोद अग्रवाल सवार थे। सांसद निरहुआ हाथ जोडकर लोगों का अभिवादन स्वीकार करते चल रहे थे। पिछे के वाहन पर कृष्ण बिहारी राय चल रहे थे। दिनेशलाल निरहुआ के गाडी के अगल बगल आरएएफ तथा उ प्र पुलिस के जवान लोगों को हटाते हुए चल रहे थे। भारी भीड़ भरा काफिला

लगातार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तथा भाजपा के सम्मान मे डीजे पर बज रहे गानो पर झूमते चल रहे थे ।लगभग दस टोलियों कि संख्या मे भाजपा के पक्ष मे नारे लगाते लोग जिसमे भारी संख्या मे महिलाए भी थी पैदल चल रही थी। काफिला 5 बजे लंका पहुंच कर समाप्त हो गया। इस दौरान उन्होंने अपने सम्बोधन में भाजपा प्रत्याशियों को जिताने की अपील करते हुए " बुलडोजर बाबा चाप रहे हैं माफिया हाफ रहे हैं" गीत गाकर लोगो की हूं तालिया बटोरीं।

शहरी विकास मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल के समर्थन में आए सामाजिक संगठनों के साथ पूर्व मंडी अध्यक्ष संजय चोपड़ा

प्रखर पूर्वान्चल हरिद्वार। उत्तराखंड सरकार में शहरी विकास मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल के काफिले को रोक प्रोटोकॉल का उल्लंघन करने वाले असामाजिक तत्व के खिलाफ आक्रमक होते हुए कैबिनेट मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल का खुला समर्थन करते हुए पूर्व मंडी अध्यक्ष,भाजपा नेता संजय चोपड़ा की अगुवाई में सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने संयुक्त रूप से कैबिनेट मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल की छवि को धूमिल करने वाले व्यक्तियों पर कानूनी रूप से कड़ी कार्रवाई की मांग की` पुरानी सब्जी मंडी चौक के प्रांगण में सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने कैबिनेट मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल के समर्थन में नारेबाजी कर खुला समर्थन किया इस अवसर पर पूर्व मंडी अध्यक्ष,भाजपा नेता संजय चोपड़ा ने कहा ऋषिकेश के विधायक, कैबिनेट मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल एक लोकप्रिय नेता है शरारती तत्वों द्वारा साजिश के तहत कैबिनेट मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल की छवि को धूमिल करने का प्रयास किया जा रहा है जो कि निंदनीय है उन्होंने कहा कि प्रेमचंद अग्रवाल ऋषिकेश के विधायक के रुप में ग्रामीण क्षेत्रों शहरी क्षेत्रों इत्यादि क्षेत्रों में व्यापारी किसान असंगठित क्षेत्र के मजदूर हर वर्ग की मदद करने के लिए तत्पर रहते हैं। संजय चोपड़ा ने यह भी कहा 20 वर्षों से लगातार विधायक का चुनाव जीतते आ रहे हैं विपक्षी पार्टियां उनके साथ हुए घटनाक्रम को बेफालतू का टूल दे रही है जो कि औचित्य पूर्ण नहीं है उन्होंने यह भी कहा जिन लोगों ने कैबिनेट मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल के काफिले को रोक प्रोटोकॉल का उल्लंघन किया है उस पूरे प्रखंड की जांच के लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा आदेशित किया जा चुका है मौके की घटनाक्रम का वीडियो साफ दर्शा रहा है के कैबिनेट मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल का काफिला

जबरन रोककर उनके साथ अमान्य व्यवहार किया गया है जिसकी घोर बक्शना की जाती है` पुरानी सब्जी मंडी चौक के प्रांगण में प्रेमचंद अग्रवाल के समर्थन में नारेबाजी कर अपनी सहानुभूति प्रतिक्रिया व्यक्त करते वरिष्ठ व्यापारी नेता राजेश खुराना, सुंदरलाल राजपूत, डॉ अभिषेक, राजेश दुआ, अवधेश कोठियाल, आर एस रतूड़ी, कुंवर सिंह, राजू बिहारी, राजेश अरोड़ा, ओमप्रकाश भाटिया, हंसराज दुआ आदि प्रमुख रूप से शामिल रहे।

नेता अरुण सिंह से विजयश्री का आशीर्वाद ले रहे सभी दलों के प्रत्याशी

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। नगर पालिका और नगर पंचायत के चुनाव में समर्थन के लिए जनपद में विकास और अमन चैन के लिए स्थापित संघर्ष समिति के संस्थापक नेता अरूण सिंह के आवास पर राजनैतिक दल सपा-बसपा और भाजपा के प्रत्याशी गणेश परिक्रमा लगाते नजर आ रहे है। 80 के दशक से नेता अरूण सिंह छात्र राजनीति से अपना राजनैतिक सफर शुरू किया। पीजी कालेज के अध्यक्ष के बाद जमानियां विधानसभा से कांग्रेस और भाजपा से विधायक का चुनाव भी लड़ें चुके हैं। अरूण सिंह छात्र जीवन से ही जुझारू नेता के रूप में जाने जाते है, वह अपने कार्यकर्ताओ के लिए लौह पुरुष थे, कार्यकर्ताओ के हितो के लिए वह किसी भी स्तर पर कोई भी लडाई लड़ जाते थे, इन्ही गुणो के चलते अरूण सिंह गाजीपुर ही नही पूरे प्रदेश में एक पहचान बन गये। भाजपा से मोहभंग होने के बाद उन्होने जिले के विकास के लिए संघर्ष समिति का गठन किया जिसके जरिए आज गांव-गांव, मुहल्लो से लोग उनके पास अपनी समस्याओ के

समाधान के लिए आते है। गाजीपुर नगर पालिका क्षेत्र में अरूण सिंह की जबरदस्त पकड़ है । इनके अनुयायी हर गली-गली में रहते है, इसीलिए राजनैतिक दल के प्रत्याशी अरूण सिंह का समर्थन लेने के लिए गाजीपुर, जमानियां, आदि क्षेत्रो से लगातार आकर आशीर्वाद मांग रहें है जो चर्चा का विषय बना हुआ है। वर्तमान में अरूण सिंह सीएम योगी के कार्यो से प्रभावित है और उनकी प्रशंसा भी करते है। उनके प्रवक्ता ने बताया कि संघर्ष समिति एक गैर राजनैतिक संगठन है, किसको आशीर्वाद मिलेगा यह तो आने वाला समय बतायेगा।

नगर निकाय व नगर पंचायत चुनाव के लिए मतदान पार्टियां हुई रवाना

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। जनपद में 4 मई को तीन नगर पालिका परिषद और 5 नगर पंचायतों में मतदान होना है। जिसके लिए रवाना स्थल स्वामी सहजानंद पीजी कॉलेज पीरनगर से सुबह से ही पोलिंग पार्टियां बूथों के लिए रवाना होने लगी है। पोलिंग पार्टियों की रवानगी सदर उप जिला अधिकारी प्रतिभा मिश्रा की देखरेख में हुआ। रवाना स्थल पर मौजूद एसडीएम प्रतिभा मिश्रा ने यह बताया की नगर पालिका परिषद गाजीपुर और नगर पंचायत जंगीपुर के लिए स्वामी सहजानंद से पोलिंग पार्टियां रवाना हो रही है। नगर पंचायत जंगीपुर और नगर पालिका गाजीपुर के लिए कुल 113 बूथ बनाए गए हैं जहां मतदान कराने के लिए लगभग 520 मतदान कर्मी लगाए गए हैं।

इस बार ईवीएम से नहीं बल्कि बैलेट पेपर से चुनाव होना है जिसको लेकर जिला प्रशासन

काफी सख्त है। हर बूथ पर सुरक्षा का पुख्ता इंतजाम किया गया है। कोई भी मतदान स्थल पर ज्वलनशील पदार्थ या पानी लेकर अंदर नहीं जा सकता है। सभी संवेदनशील व अति संवेदनशील बूथों पर कड़ी सुरक्षा रहेगी। इन बूथों पर वीडियोग्राफी के भी इंतजाम किए गए हैं। गाजीपुर में कुल नगर पालिका परिषद की संख्या 3 है, और नगर पंचायत की संख्या पांच है। इसके लिए 266 बूथ बनाए गए हैं तथा मतदान कराने के लिए कुल 1200 कार्मिक लगाए गए हैं। गाजीपुर में 100, जंगीपुर में 13, जमानिया में 37, मोहम्मदाबाद में 37, सैदपुर में 26, सादात में 11, बहादुरगंज में 23, दिलदारनगर में 19, बूथ बनाए गए हैं, जहां प्रत्येक बूथ पर एक पीठासीन व तीन कार्मिक नियुक्त किए गए हैं। कल सुबह 07 बजे से मतदान शुरू होगा जो सायं काल 06 बजे तक चलेगा।

शॉर्ट सर्किट से मकान में लगी आग अग्निशमन दल ने दिखाया साहस

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। दशाश्वमेध थानान्तर्गत मदनपुरा क्षेत्र में एक रिहायशी मकान में भीषण आग लग गयी आग से क्षेत्र में कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का महौल हो गया ` मुख्य अग्निशमन अधिकारी आनंद सिंह राजपूत ने अग्निशमन दल के साथ पहुंचे करीब घंटे भर के बाद आग पर काबू पा लिया इस दौरान घर गृहस्थी के सामान सहित अन्य सामान कुछ तो जल गए कुछ को बचा लिया गया। अग्निशमन अधिकारी आनंद सिंह राजपूत ने बताया कि इस दौरान मकान में जो भी लोग थे वह लोग हमारी टीम के प्रयास से सुरक्षित बाहर आ गए हैं` मोहम्मद असलम का मदनपुरा में मकान है नीचे जनरल स्टोर के साथ साड़ी का भी काम होता है प्रथम तल पर वह और उनके भाई रहते हैं पुलिस के अनुसार आधी रात के करीबन शॉर्ट सर्किट से मकान में आग लग गई देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया इस दौरान घर में मौजूद लोग किसी तरह बाहर आ गए शोर सुनकर आसपास के लोग भी पहुंच गए उन्होंने अग्निशमन दल के साथ पुलिस को सूचना दी सूचना मिलते ही अग्निशमन की गाड़ियां मौके पर पहुंची` मुख्य अग्निशमन अधिकारी आनंद सिंह राजपूत ने लोगों के सहयोग से फायर ब्रिगेड के

पाइप को जोड़कर मकान तक पहुंचाया उसके बाद बांस की सीढ़ी की मदद से आग बुझाने का काम शुरू किया गया` करीब घंटे भर के बाद आग पर पूरी तरह से काबू पा लिया एसीपी दशाश्वमेध अवधेश कुमार पांडे व थाना प्रभारी अजय कुमार मिश्र ने मय फोर्स के साथ मौके पर मौजूद रहे` अग्निशमन अधिकारी भेलूपुर इंद्रजीत वर्मा सहित अग्निशमन कर्मचारियों सराहनीय कार्य करने के लिए क्षेत्र के लोगों ने किया प्रशंसा।

संक्षिप्त खबरें

बाइक चोरी के फरार अभियुक्त के घर 82 की नोटिस चस्पा

प्रखर गंभीरपुर/आजमगढ़। थाना कोतवाली देवगांव क्षेत्र के बडा. गाव बहादुरपुर निवासी अर्पित राज पुत्र सुभाष राय ने थाना गंभीरपुर मे लिखीत प्रार्थना पत्र दिया की अछिछी गाव थाना गंभीरपुर आजमगढ़ से मेरी बाइक होंडा स्टेनर यूपी 50 ए ए 7893 को अज्ञात चोरों द्वारा चोरी कर लिया गया जिस के संबंध में थाना गंभीरपुर ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत कर विवेचना चल रही थी कि बाइक को बरदह थाना पुलिस द्वारा बरामद कर लिया गया बाइक चोरी की घटनाके बाद से अभियुक्त गण दीपक यादव व सीताराम यादव पुत्र शेखराज यादव निवासी सिसरेडी थाना बरदह आजमगढ़ घटना के बाद से ही फरार चल रहे हैं जिनके विरुद्ध माननीय न्यायालय से एनबीडब्ल्यू व धारा 82 सीआरपीसी जारी किया गया न्यायालय के आदेश का अनु पालन करते हुए थाना अध्यक्ष गंभीरपुर विजय प्रकाश मौर्य मय हमराह के साथ अभियुक्त के घर सीसरेणी थाना बरदह में डुगडुगी पिटवा कर धारा 82 सीआरपीसी की कार्रवाई की गई व नोटिस चस्पा की गई।

किसानों के साथ वादाखिलाफी कर रही मोदी सरकार : ईश्वरी प्रसाद कुशवाहा

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। अखिल भारतीय किसान महासभा का जिला कमेटी की बैठक आज बुधवार को दिलदारनगर के पशु मेला स्थल पर डाक्टर सलाहुदीन खॉ और विजयनरायन यादव और गुलाब सिंह मोती प्रधान, शिवशंकर सिंह की अध्यक्षता में हुई। बैठक को सम्बोधित करते हुए अखिल भारतीय किसान महासभा के राष्ट्रीय सचिव कामरेड ईश्वरी प्रसाद कुशवाहा ने कहा कि केन्द्र की मोदी सरकार लगातार देश के किसानों के साथ वादाखिलाफी कर रही है। दिल्ली में चले ऐतिहासिक किसान आंदोलन में किये गये वादा को तोड़ने मे लगीं हैं। जिसको लेकर देश भर में किसान आंदोलन कर रहे है। एम0 एस0 पी लागू करने के लिए कानून बने, किसानों की शत प्रतिशत फसलों को सरकार खरीदने की गारंटी करे, गाजीपुर के सभी किसानों को अफीम की खेती करने का लाइसेंस दिया जाए। आवारा पशुओं की सरकारी खरीद और बरबाद किसानों की फसलों का उचित मुआवजा देने की कानून बने, दिलदारनगर पशु मेला पर लगे रोक को हटा कर पुरी छमता पुनः चालू किया जाए, मनरेगा कानून को खेती मे लागू किया जाए और खेती के लिए फ्री बिजली देने की सरकार गारन्टी करे, किसानों को पांच हजार रुपये प्रति माह किसान पेन्शन दिया जाए आदि मांगो को लेकर 08 जून 2023 को दिलदारनगर के पशु मेला स्थल पर विशाल किसान मजदूर पंचायत करने का निर्णय लिया गया। बैठक में प्रमुख रूप से कामरेड ईश्वरी प्रसाद कुशवाहा, डाक्टर सलाहुदीन खॉ, विजय नरायन यादव, गुलाब सिंह, मोती प्रधान, शिवशंकर सिंह, शशिकान्त कुशवाहा, रामप्रवेश कुशवाहा, सतेन्दर प्रजापति, सदानन्द कुशवाहा, भरत राम, आदि लोगों ने शामिल हुए और सम्बोधित किए।

महाराजा सुहेलदेव के स्मृति में खालिसपुर में बनेगा इंग्लिश स्कूल

प्रखर पिंडरा। महाराजा सुहेलदेव की स्मृति में खालिसपुर में इंग्लिश स्कूल बनेगा। जिसमे 25 फीसदी गरीब बच्चों को निःशुल्क शिक्षा दी जाएगी। जिसकी बुधवार को आधारशिला रखी गई। क्षेत्र के खालिसपुर रेलवे स्टेशन के समीप बन रहे है स्कूल समाज के लोगों के सहयोग से स्थापित होगा। जिसमे 25 फीसदी बच्चो को निशुल्क शिक्षा दी जाएगी। अगले सत्र से संचालित होने वाले विद्यालय में सांस्कृतिक रूप से समृद्ध होने की शिक्षा दी जाएगी। शिलान्यास समारोह की अध्यक्षता विद्यालय प्रबंधक लक्ष्मी शंकर राजभर ने किया। मुख्य अतिथि वरिष्ठ भाजपा नेता रजनीकांत मिश्रा उर्फ बबलू के बड़े भाई नलिनी कांत मिश्रा रहे। उन्होंने हर संभव मदद का आश्वासन दिया। इस दौरान प्रमुख रूप से महावीर प्रसाद श्रीवास्तव, डॉ प्रेम प्रकाश वर्मा , संजय राजभर, मनीष पाठक, प्रकाश राजभर, भोला राजभर ,कमलेश कनौजिया, वीरेंद्र प्रजापति, दिनेश यादव राम, प्रवेश पाल जियाशंकर यादव , मोहन राजभर , कमलेश राजभर समेत अनेक लोग उपस्थित रहे।

प्रखर पूर्वांचल
RNIUPHIN/2016/68754
मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोड: 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित
सम्पादकीय कार्यालय: 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोड: 233001
सम्पर्क सूत्र: 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802
सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।
ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com
सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं